केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 271 गुरूवार 25 अप्रैल 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

हाथरस के भाजपा सांसद राजवीर सिंह का निधन

हाथरस (आमा)। हाथरस के भाजपा सांसद राजवीर सिंह दिलेर का बुधवार को हार्ट अटैक से निधन हो गया। इस बार पार्टी ने इनका टिकट काटकर अनूप वाल्मीकि को टिकट दिया है। बता दें कि इनके पिता किशन लाल दिलेर भी हाथरस से सांसद रहे थे। राजवीर ने शुक्रवार को ही अनूप वाल्मीकि के लिए चुनाव प्रचार किया था।

बस्ती में डोर-टू-डोर होगा कूड़ा- कचरा कलेक्शन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। डोर– टू–डोर कूड़ा–कचरा कलेक्शन की समस्या का जल्द समाधान होने की उम्मीद जगी है। 25 वार्डों में कचरा कलेक्शन के लिए नगर पालिका 47 नये वाहनों की खरीद आचार संहिता लागू होने के पहले कर ली है। जिसे वार्डों में लगाया जाएगा। इन वाहनों से रोजाना डोर–टू–डोर कचरा का कलेक्शन होगा।

इन दिनों कूड़ा उठान की दिक्कत से शहरवासी बहुत ज्यादा परेशान हैं। वह हर रोज नगर पालिका की व्यवस्था को कोसते हैं। जागरूक लोग नपा के अधिकारियों से भी मिल चुके हैं। उसके बाद भी कोई ठोस हल नहीं निकल रहा है। शहर की सड़क और गलियों में कूड़ा फेंका रहता है। उससे उठती दुर्गंध से सांस लेने में परेशानी होती है। अब इस समस्या से निजात दिलाने के लिए प्रबंध किया जा रहा है। डोर–टू–डोर कूड़ा उठाने के लिए नये वाहन और टीमें लगाई जाएंगी। यह प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। इसके लिए नपा प्रशासन जल्द बैठक कर कार्ययोजना पर अंतिम मुहर लगाएगा।

इससे शहरवासियों को कूड़ा का निस्तारण कराने में समस्या नहीं आएगी। शहर से रोजाना 60 से 70 टन कूड़ा निकल रहा है। नपाध्यक्ष नेहा वर्मा का कहना है कि डोर–टू–डोर कूड़ा कलेक्शन के लिए जल्द ही बैठक कर जिम्मेदारियां सौंप दी जाएंगी। वाहन है। टीम बनाई जाएगी। सूखा व गीला कचरा के लिए वाहन में अलग–अलग व्यवस्था है।

आग बुझाने में जुटे ट्रैक्टर में लगी आग, चालक झुलसा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी (बस्ती)। विकासखण्ड सदर ब्लाक के कुम्हियां रक्शा गांव के सिवान से अज्ञात कारणों से लगी आग तेज हवा होने के कारण जलते हुए गौरा गांव तक पहुंच गई लगभग आठ सौ बीघा खेतों के डंठल जल गए , गनीमत यह रहा कि गेहूं की फसल खेतों से कट चुका था, केवल डंठल ही खेतों में जल रहा था । आग इतनें तेजी से आगे फेल रहा था कि यह आग कहीं रिहायसी घरों को चपेट में न ले – ले इसलिए सदर ब्लाक के गौरा गांव के गुड्डू पुत्र राजेंद्र ट्रैक्टर लेकर रिहायसी घरों के सामने के खेत को जोतने लगे देखते ही देखते आग ट्रैक्टर में लग गया और ट्रैक्टर धू – धू कर जलने लगा । जब तक गांव के लोग व फायर ब्रिगेड की टीम ट्रैक्टर तक पहुंचते तब तक ट्रैक्टर चालक गुड्डू भी आग की चपेट में आ गए और जलने लगे , किसी तरह ग्रामीणों द्वारा गुड्डू को बचाया गया तथा एंबुलेंस की सहायता से जिला अस्पताल बस्ती के लिए भेजा गया ।

यूपी में दूसरे चरण की आठ सीटों के लिए थमा प्रचार: मतदान 26 को

लखनऊ (आमा)। यूपी में दूसरे चरण की आठ सीटों पर शुक्रवार 26 अप्रैल को होने वाले चुनाव के लिए प्रचार का शोर बुधवार की शाम थम गया। इस चरण में अमरोहा, मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर, अलीगढ़ और मथुरा में वोटिंग होगी। 2019 में इन आठ में से सात सीटों मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर, अलीगढ़ व मथुरा में भाजपा को जीत मिली थी। अमरोहा सीट पर सपा–बसपा गठबंधन के प्रत्याशी दानिश अली जीते थे। इस बार सभी सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबला है। बुलंदशहर में दो मौजूदा सांसद आमने–सामने हैं। एनडीए की तरफ से भाजपा और रालोद के प्रत्याशी मैदान में हैं। इंडिया गठबंधन की ओर से सपा और कांग्रेस ने प्रत्याशी उतारे हैं। सभी सीटों पर बसपा ने प्रत्याशी उतारकर मुकाबले को रोचक और त्रिकोणीय बना दिया है। आठों सीटों पर कुल 91 प्रत्याशी मैदान में हैं।

चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार मतदान खत्म होने से 48 घंटे पहले राजनैतिक दलों और उनके प्रत्याशियों व प्रतिनिधियों द्वारा निर्वाचन क्षेत्र में किये जाने वाले चुनाव प्रचार संबंधी सम्पूर्ण गतिविधियां समाप्त हो जाती हैं। इस दौरान केवल घर घर जनसंपर्क किया जा सकता है। कोई रैली–सभा नहीं हो सकती है। सभी राजनैतिक दलों के बाहरी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को निर्वाचन क्षेत्र में मौजूदगी भी प्रतिबंधित कर दी जाती है।

अमरोहा दूसरे चरण की इकलौती सीट है जिस पर भाजपा को हार का सामना करना पड़ा था। यहां से सपा–बसपा गठबंधन के प्रत्याशी दानिश अली ने जीत हासिल की थी। इस बार दानिश अली बसपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो गए और उसी के टिकट पर फिर से मैदान में हैं। उनका मुकाबला भाजपा के कंवर सिंह तंवर से है। बसपा ने मुस्लिम प्रत्याशी मुजाहिद हुसैन को उतारकर दानिश अली की राह कठिन बनाने की तैयारी कर रखी है। यही कारण है कि दानिश के निशाने पर लगातार बसपा है।

कन्नौज से चुनाव मैदान में उतरेंगे अखिलेश

लखनऊ (आमा)। समाजवादी पार्टी का गढ़ रही कन्नौज सीट से सपा प्रमुख अखिलेश यादव ही चुनाव लड़ेंगे। गुरुवार को अखिलेश कन्नौज सीट से अपना नामांकन दाखिल करेंगे। समाजवादी पार्टी के अनुसार गुरुवार की दोपहर 12 बजे अखिलेश अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। इससे पहले सपा ने लालू प्रसाद यादव के दामाद और मुलायम परिवार के ही तेज प्रताप यादव को यहां से प्रत्याशी घोषित किया था। उनकी उम्मीदवारी के अगले ही दिन से कई चर्चाएं चलने लगी थीं। अखिलेश के ही उतरने की चर्चा उसी दिन से होने लगी थी। इटावा में बुधवार को अखिलेश यादव ने भी उम्मीदवारी को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा कि नामांकन होगा तो पता चल जाएगा। कहा कि हो सकता है कि उससे पहले ही पता चल जाए। उन्होंने तेज प्रताप का नाम भी नहीं लिया।

अखिलेश ने यह भी कहा कि सवाल कन्नौज की ऐतिहासिक जीत का है। इंडिया गठबंधन भविष्य बनकर आ रहा है। इसके कुछ घंटे बाद ही समाजवादी पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि कन्नौज से अखिलेश यादव गुरुवार की दोपहर नामांकन दाखिल करेंगे।

अखिलेश यादव इससे पहले 2000 से 2012 तक कन्नौज सीट से ही लोकसभा सांसद रहे हैं। यूपी का मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने 2012 में इस्तीफा दे दिया था। 2017 में यूपी में सरकार नहीं बना पाई तो वह 2019 में आजमगढ़ से मैदान में उतरे और फिर से लोकसभा सांसद चुने गए। 2022 में यूपी विधानसभा के लिए चुने जाने के बाद लोकसभा से इस्तीफा दे दिया था। कहा जा रहा है कि कन्नौज में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता तेज प्रताप की उम्मीदवारी से नाराज थे। वह तेज प्रताप को स्वीकार नहीं कर पा रहे थे। यह माना जाने लगा कि अगर अखिलेश चुनाव नहीं लड़ते तो बीजेपी को बढ़त मिल सकती है।

वहीं, भाजपा की ओर से एक बार फिर सुब्रत पाठक मैदान में उतरे हैं। सुब्रत पाठक ने 2019 में अखिलेश की पत्नी डिंपल यादव को हराकर कन्नौज सीट जीती थी। पाठक ने दावा किया कि 2019 में उनकी जीत के बाद कन्नौज अब सपा का गढ़ नहीं है। कहा कि मैं चाहता था कि अखिलेश यादव कन्नौज से चुनाव लड़ें, क्योंकि अब तेज प्रताप की उम्मीदवारी के साथ चुनाव में कोई उत्साह नहीं बचा है।

गर्मी में मरीजों के लिये श्री कृष्णा मिशन हास्पिटल में बेहतर सुविधा- बसन्त चौधरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । श्री कृष्णा मिशन हॉस्पिटल में भीषण गर्मी, लू को देखते हुये होने वाली बीमारियों के सफल इलाज के लिये पूरी व्यवस्था की गई है और उनका बेहतर इलाज किया जा रहा है और शत–प्रतिशत मरीज ठीक होकर अपने घर जा रहे हैं। श्री कृष्णा मिशन हॉस्पिटल जटिल बीमारियों के उपचार में भी पूरी तरह से वरदान साबित हो रहा है। बताया कि हॉस्पिटल द्वारा समय–समय पर अत्याधुनिक संसाधन आम लोगों को उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कहा कि पेट दर्द, सामान्य बुखार को हल्के में मत ले, सही समय पर उपचार आवश्यक है। हॉस्पिटल में मरीजों के समुचित इलाज के लिये कुशल चिकित्सक, जांच की बेहतर व्यवस्था है जिसका लाभ मरीजों को मिल रहा है।

चेयरमैन बसंत चौधरी ने बताया कि गर्मी, लू जनित बीमारियों के इलाज के लिये हास्पिटल में विशेष व्यवस्था की गई है और उनका बेहतर इलाज किया जा रहा है और शत–प्रतिशत मरीज ठीक होकर अपने घर जा रहे हैं। श्री कृष्णा मिशन हॉस्पिटल जटिल बीमारियों के उपचार में भी पूरी तरह से वरदान साबित हो रहा है। बताया कि हॉस्पिटल द्वारा समय–समय पर अत्याधुनिक संसाधन आम लोगों को उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कहा कि पेट दर्द, सामान्य बुखार को हल्के में मत ले, सही समय पर उपचार आवश्यक है। हॉस्पिटल में मरीजों के समुचित इलाज के लिये कुशल चिकित्सक, जांच की बेहतर व्यवस्था है जिसका लाभ मरीजों को मिल रहा है।

श्री कृष्णा मिशन हॉस्पिटल के

ग्रामीणों ने बुझाई आग, नहीं पहुंचा दमकल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बिजली के हाईटेंशन तार में शार्ट सर्किट से नगर थाना क्षेत्र के संसारपुर फुटहिया गांव के खलिहान में आग लग गई। जन धन का कोई नुकसान नहीं हुआ ।

जानकारी के अनुसार बुधवार की दोपहर में फुटहिया गांव में बिजली के 11000 वोल्ट तार में शार्ट सर्किट से खलिहान के खर पतवार में आग लग गई ,देखते ही देखते आग ने भयंकर रूप ले लिया , खलिहान में सरपत में लगी आग ने तेज हवाओं में विकराल रूप धर लिया ,बगल में तुफेल अहमद की खर पतवार और फूस रखने की मड़ई को चपेट में ले लिया , शुक्र हुआ कि बगल खेत में ग्रामीणों द्वारा गेहूं की कटाई कर अनाज भूसा वहा से सप्ताह पहले व्यवस्थित किया जा चुका था जिससे कोई बड़े जन धन की नुकसान नहीं हुआ हुआ , अन्यथा गेहूं की आग बुझाना मुश्किल हो जाता ।

घटना के वक्त नगर थाना पुलिस , व फुटहिया पुलिस चौकी पुलिस ग्रामीणों के साथ मौजूद रही , ग्रामीणों व राहगीरो ने भयंकर आग को हैंडपंप नलों से बाल्टी में पानी भर भर के दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग बुझाने में सफल रहे , यदि हवाओं की दिशा बदली होती तो शायद आधा गांव ही आग में जल जाता । सूचना देने के बाद भी फायर बिग्रेड मौके पर नहीं पहुंचा । प्रभारी थानाध्यक्ष ने बताया कि फायर ब्रिगेड कंट्रोल रूम को सूचना दी गई थी लेकिन उसी वक्त कई जगहों पर आग लगने के कारण यहां फायर ब्रिगेड की गाड़ी नही पहुंची।

ईडी का छापा एक सामान्य प्रक्रिया –अजय सिंह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हरैया विधायक अजय सिंह के लखनऊ गोमती नगर स्थित सहारा प्लाजा कार्यालय पर प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को छापेमारी की। इसकी जानकारी स्वयं विधायक अजय सिंह ने दिया। कहा कि बुधवार को हमारा कार्यालय बंद रहता है उसके बावजूद भी छापा पड़ा था। बताया कि मंगलवार को भतीजी का तिलक कार्यक्रम था इसके चलते छापेमारी के दिन पूरा परिवार पैतृक गांव लजघटा में मौजूद है।

उन्होंने कहा कि हम किसी भी जांच के लिए तैयार हैं। जांच में हम हर तरीके से टीम का सहयोग करेंगे बताया कि 3 वर्ष पहले आयकर विभाग की भी छापेमारी हुई थी जिसमें कुछ मिला नहीं था। जिसका परिणाम यह रहा की पुनः भारतीय जनता पार्टी ने मुझे टिकट दिया और हरैया की जनता ने हमें प्रचंड बहुमत से विधायक बनाया। अजय सिंह ने कहा कि जांच के उपरांत दूध का दूध और पानी का पानी सामने आ जाएगा। मैं भारतीय जनता पार्टी को प्रत्येक बूथ पर जिताने के लिए लगातार नुक्कड़ सभा कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि जो हमारे यहां ईडी की रेड पड़ी है इससे विपक्षियों का मुंह बंद हो जाएगा जो बिना मतलब सरकार पर छापेमारी को लेकर गलत बयान बाजी करते रहते हैं।

भारतीय जनता पार्टी का विधायक हूं इसके बावजूद हमारे यहां जांच हो रही है क्योंकि जांच एक सामान्य प्रक्रिया है इसका पक्ष विपक्ष से कोई लेना–देना नहीं है। उन्होंने अपने समर्थकों पार्टी कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों को संदेश दिया कि इस जांच से आक्रोश की कोई भी जरूरत नहीं है पूरी लगन और मेहनत से भारतीय जनता पार्टी को प्रचंड बहुमत से विजय दिलाना ही हम सभी का उद्देश्य है। कहा कि हम, हमारे कार्यकर्ता, शुभचिंतक, चाहने वाले सभी लोग पूरी तरह से भारतीय जनता पार्टी के साथ हैं। उन्होंने कहा कि जो हमारे यहां ईडी की रेड पड़ी है इससे विपक्षियों का मुंह बंद हो जाएगा जो बिना मतलब सरकार पर छापेमारी को लेकर गलत बयान बाजी करते रहते हैं।

सांसद हरीश द्विवेदी ने किया बस्ती चेरिटेबल ब्लड बैंक का उद्घाटन:40 लोगों ने किया रक्तदान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को सांसद हरीश द्विवेदी ने नानकनगर पचपेड़िया में स्थित बस्ती चेरिटेबल ब्लड बैंक का उद्घाटन किया। कहा कि रक्तदान से हम दूसरों का जीवन बचा सकते हैं। यह मानव सेवा का पुनीत कार्य है। उद्घाटन अवसर पर स्वेच्छा से 40 लोगों ने रक्तदान किया। ब्लड बैंक शुभम मिश्र ने आगन्तुकों का स्वागत करते हुये सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

निदेशक विजय कुमार सिंह ने बताया कि ब्लड बैंक में सभी अत्याधुनिक तकनीक उपलब्ध है। मुख्य रूप से आशीष कुमार शुक्ल, राजीव मिश्र, अनुराग यादव, अमित चक्रवर्ती, शुभम मिश्र, राजेश सिंह, सलमान अहमद, शिवम मिश्र, पंकज कुमार, विजय कुमार, अजीत गौतम, उत्कर्ष गुप्ता, धीरज कुमार गुप्ता, लवकेश्वर शुक्ल, उत्कर्ष, प्रदीप निषाद, आदित्य मिश्र, शैलेन्द्र कुमार, मो. आजम अंसारी, महेन्द्र वर्मा, प्रेम प्रकाश मिश्र, विजय कुमार सिंह, इन्द्रेश, मुकेश, आलोक, सत्यम मिश्र, दीपेन्द्र प्रताप यादव, ओम प्रकाश मिश्र, शिव कुमार, अभिषेकमणि त्रिपाठी, छविनन्दन मिश्रराजकुमार आदि ने रक्तदान किया।

बस्ती चेरिटेबल ब्लड बैंक के उद्घाटन अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा, राना दिनेश प्रताप सिंह, प्रमोद पाण्डेय, अमित गुप्ता, लाल बहादुर सिंह, योगेन्द्र सिंह, डा. प्रवीन कुमार श्रीवास्तव, डा. आनन्द गुप्ता, डा. एम.पी. सिंह, डा. प्रमोद सिंह के साथ ही अनेक चिकित्सक और विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं सामाजिक संगठनों के लोग उपस्थित रहे।

बस्ती में भाजपा छोड़ सपा में शामिल हुये क्षत्रिय समाज के लोग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बुधवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय पर भारतीय जनता पार्टी नेता राज मोहन सिंह 'राजू' के नेतृत्व में बड़ी संख्या में क्षत्रिय समाज के लोगों ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण किया। सपा जिलाध्यक्ष एवं सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने उपस्थित लोगों को पार्टी की सदस्यता दिलाया और आवाहन किया कि सभी वर्गों के लोग एकजुटता से सपा और इण्डिया गठबंधन के प्रत्याशी पूर्व मंत्री राम प्रसाद चौधरी की ऐतिहासिक जीत सुनिश्चित करें।

सपा और इण्डिया गठबंधन के प्रत्याशी पूर्व मंत्री राम प्रसाद चौधरी ने क्षत्रिय समाज के लोगों का सपा में स्वागत करते हुये कहा कि उत्तर प्रदेश के साथ ही देश में परिवर्तन की लहर तेज हो गई है। पहले चरण के बाद से ही यह स्पष्ट हो गया है कि मतदाता इस बार भाजपा का मुखर विरोध कर रहे हैं और उनके जुमलों से ऊब चुके हैं। युवा बेरोजगार, किसान, महिलायें, व्यापारी, सरकारी कर्मचारी के साथ ही सभी वर्गों के लोग बदलाव का फैसला ले चुके हैं। कहा कि यह चुनाव लोकतंत्र और बाबा साहब का संविधान बचाने का चुनाव है। इण्डिया गठबंधन पूरी तरह से एकजुट हैं और मतदाता पूरी तरह से बदलाव लेकर आयेंगे, सबके सहयोग से सपा को जीत मिलेगी।

सपा जिलाध्यक्ष एवं सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि लोकतंत्र और बाबा साहब का संविधान बचाने के लिये यह चुनाव मतदाता स्वयं लड़ रहे हैं। बेरोजगार युवा पेपर लीक से परेशान और आहत हैं, अग्निवीर योजना से नौजवान नाराज हैं और मोदी सरकार में मंहगाई ने कमर तोड़ दिया है। महिलायें मंहगाई से त्रस्त हैं और सर्व समाज बदलाव लेकर आयेगा।

भारतीय जनता पार्टी नेता राज मोहन सिंह 'राजू' ने कहा कि भाजपा क्षत्रिय मान सम्मान से खिलवाड़ कर रही है, इसे बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। क्षत्रिय समाज के लोग सपा की जीत के लिये पूरी ताकत झोंक देंगे। राज मोहन सिंह 'राजू' के साथ अमित सिंह, भोलू सिंह, जालिम सिंह, सन्नी सिंह, अमरदेव सिंह, शीतला सिंह, बिन्दी सिंह, बब्लू सिंह, राकेश सिंह, यदुराम सिंह, महेन्द्र सिंह, दीपक सिंह, प्रवीन सिंह 'भोले', प्रमोद सिंह, अजीत सिंह, हेमन्त सिंह, अदीती प्रताप सिंह, शुभम सिंह, अखिलेश सिंह, अनमोल सिंह, विवेक सिंह, प्रवीण सिंह, गुल्ली सिंह, सूर्य प्रताप सिंह, सोनू सिंह, सत्य प्रकाश सिंह, वेदान्त सिंह, बब्लू सिंह, राम कुमार सिंह, शेखर सिंह, अविनाश सिंह, शानू सिंह, पिन्टू सिंह, शिवम, राजन सिंह, वृजेश सिंह, बब्लू सिंह, भूपेन्द्र सिंह, अभिषेक सिंह, रामाज्ञा सिंह, वीरेन्द्र सिंह, उमेश चौधरी, रत्नेश पाल, अंकित पाल, सुरेन्द्र, संजय चौधरी के साथ ही बड़ी संख्या में क्षत्रिय समाज के लोगों ने सपा की सदस्यता ग्रहण किया।

–सपा जिलाध्यक्ष महेन्द्रनाथ यादव ने दिलायी सदस्यता
–सर्व समाज के एकजुटता से मिलेगी जीत– राम प्रसाद चौधरी

बाबा साहब डा. भीमराव राव अम्बेडकर जयन्ती के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में दिया संदेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बाबा साहब डा. भीमराव राव अम्बेडकर जयन्ती के उपलक्ष्य में कार्यक्रमों का सिलसिला जारी है। साऊंघाट विकास खण्ड क्षेत्र के पकरी नासिर और नरियांव में भीम पाठशाला समिति द्वारा मूल चन्द आजाद और रामशंकर आजाद के नेतृत्व में बाबा साहब पर केन्द्रित संगोष्ठी और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने बाबा साहब के जीवन संघर्ष और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। कहा कि बाबा साहब ने शिक्षित बनो, संघर्ष करो का जो नारा दिया था वह तभी सफल होगा जब लोग खूब पढ लिखकर योग्य बनेंगे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में मिशन गायक रवि राज बौद्ध, प्रीती बौद्ध, मालती राव अम्बेडकर और साथियों ने बाबा साहब पर केन्द्रित गीत प्रस्तुत कर वातावरण में उल्लास भर दिया। गीतों में बाबा साहब के योगदान की चर्चा थी।

मुख्य रूप से मंगलराव, आकाश आर्य, प्रवीन राना, सोनू सिंह गौतम, रानी बौद्ध, सरिता भारती, अर्चना सिंह अम्बेडकर, अजय सिंह गौतम, विनय अम्बेडकर, दीपक, विक्रम एडवोकेट के साथ ही हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 25 अप्रैल 2024 गुरूवार

सम्पादकीय

सेहत का सवाल

भारत जैसे देश में जहां सेवानिवृत्त लोगों व बुजुर्गों के लिये पश्चिमी देशों की तरह चिकित्सा सुविधाओं का कवच नहीं है, वहां लोगों की अंतिम उम्मीद खुद खरीदी गई बीमा पॉलिसियों पर टिक जाती है। लेकिन बीमा कंपनियों के निरंकुश व्यवहार और उपचार के बाद बिलों के भुगतान में किंतु–परंतु के चलते वृद्धों को यह भरोसा नहीं होता कि बीमा कंपनियां उनके उपचार का पूरा पैसा उपलब्ध करा देंगी। बहरहाल, स्वास्थ्य सेवा तंत्र को अधिक समावेशी और सर्वसुलभ बनाने की दिशा में भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण यानी आईआरडीएआई ने स्वास्थ्य बीमा खरीदने वाले व्यक्तियों के लिये 65 वर्ष की आयु सीमा को हटा दिया है। हाल ही में एक अधिसूचना में बीमा नियामक ने बीमाकर्ताओं को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि वे सभी आयु समूहों के लिये उपयोगी स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी पेश करें। अकसर देखा गया है कि बीमा कंपनियां व एजेंट अधिक उम्र वाले लोगों को तब जीवन रक्षक पॉलिसी देने से मना कर देते हैं जब उनको इसकी जरूरत होती है। इतनी ही नहीं कंपनी के हित में बनायी गई पुरानी नीतियों के आधार पर कई दावों को खारिज कर दिया जाता है। बीमा नियामक द्वारा बीमा कंपनियों को पहले से निर्धारित स्थितियों के आधार पर दावों को खारिज करने से रोका गया है। बीमा नियामक ने कहा है कि बीमाकर्ता अब कैंसर, हृदय रोग व गुर्दे के काम न करने पर, एड्स जैसी गंभीर चिकित्सा स्थितियों वाले व्यक्तियों को पॉलिसी जारी करने से इनकार नहीं कर सकते। निश्चित रूप से यह तार्किक स्थिति है कि सेवानिवृत्ति के बाद आय के साधन सिमटने, शरीर द्वारा साथ न देने व अपनों का साथ छूटने से लाचार व्यक्ति को उपचार के लिये अब चिकित्सा बीमा कवच मिल सकेगा। निस्संदेह, इस तरह के कई गंभीर रोगों से ग्रस्त लोग चिकित्सा बीमा न मिल पाने की स्थिति में गरीबी की दलदल में फंस जाते हैं। कोरोना संकट के दौरान कई परिवारों के गरीबी के दुश्चक्र में फंसने के मामले सामने आए हैं।

निश्चित रूप से बीमा नियामक की यह पहल वक्त की जरूरत के हिसाब से एक कल्याणकारी व्यवस्था की तरफ बढ़ा कदम है। यदि बुजुर्गों को बीमा सुविधा मिलने लगेगी तो वे अप्रत्याशित चिकित्सा खर्चों के झटकों को झेलने के लिये पहले से ही बेहतर तैयारी कर सकते हैं। निश्चित रूप से यह सुविधा उस देश के लिये बदलावकारी हो सकती है जहां कि युवा आबादी बुजुर्ग आबादी की दिशा में बढ़ रही है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के अनुसार वर्ष 2050 तक वरिष्ठ नागरिकों की संख्या देश की कुल आबादी की बीस प्रतिशत से अधिक होने का अनुमान है। ऐसे में बेहतर जीवन प्रत्याशा हेतु और महिलाओं की सेहत हेतु स्वास्थ्य बीमा का खासा प्रभाव हो सकता है। लेकिन इस बात में दो राय नहीं कि बीमा उत्पादों को उपभोक्ता–अनुकूल बनाने की सख्त जरूरत है। दरअसल, आम उपभोक्ता शब्दजाल और बीमा पॉलिसियों की जटिलताओं के कारण बीमा उत्पादों को खरीदने से संकोच करते हैं। कई अस्पष्टताएं व किंतु–परंतु पॉलिसीधारक के मन में संदेह और अनिश्चितता उत्पन्न करते हैं। वहीं दूसरी तरफ लाभों व जोखिमों के बारे में गलत सूचना या अपर्याप्त जानकारी उपभोक्ताओं के शोषण व परेशानी का सबब बनती है। इसलिए जरूरी है कि ग्राहकों का विश्वास हासिल करने के लिये पारदर्शी व परेशानी मुक्त दावा निपटान की व्यवस्था हो। इसके साथ ही बीमा भुगतान से जुड़ी धांधलियों पर अंकुश लगाने के लिए मजबूत तंत्र बनाया जाए। वर्ष 2023 में किये गए एक सर्वेक्षण के अनुसार लगभग साठ फीसदी भारतीय बीमा कंपनियों में धोखाधड़ी के मामलों में तेजी से वृद्धि देखी गई है। खासकर जीवन और स्वास्थ्य बीमा के क्षेत्र में। जिसके नियमन के लिये– झूठे दावे करने, प्रदान की गई सेवाओं के लिये शुल्क बढ़ाने और चिकित्सकीय रूप से अनावश्यक सेवाओं के लिये बिलिंग करना जैसी अनियमितताओं पर अंकुश लगाने की जरूरत है। जिसके लिये एक कुशल निगरानी तंत्र बनाना भी आवश्यक है। वहीं झूठे दावे करना, प्रदान की गई सेवाओं के लिए शुल्क बढ़ाना और चिकित्सकीय रूप से अनावश्यक सेवाओं के लिए बिलिंग करना जैसी गड़बड़ियों पर अंकुश लगाने के लिए सख्त निगरानी की आवश्यकता है।

गाय के दूध से अब इंसुलिन दुहने की तैयारी

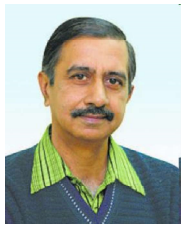

—मुकुल व्यास—

आनुवंशिक रूप से परिवर्तित गाय ने अपने दूध में मानव इंसुलिन के लिए आवश्यक प्रोटीन का उत्पादन किया है और वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि मवेशियों के झुंड एक दिन दुनिया की इंसुलिन आपूर्ति समस्याओं को हल कर सकते हैं। हालांकि गायों के जरिये इंसुलिन उत्पादन को व्यावसायिक स्तर पर लाने में अभी वक्त लगेगा। शोधकर्ताओं का मानना है कि गाय–आधारित इंसुलिन वर्तमान इंसुलिन उत्पादन विधियों को मात दे सकती है,जो आनुवंशिक रूप से संशोधित यीस्ट यानी खमीर और बैक्टीरिया पर निर्भर हैं। दुनिया भर में डायबिटीज के लाखों रोगियों के लिए इंसुलिन तक पहुंच एक निरंतर संघर्ष है।

इंसुलिन फैक्टरी बन सकती हैं ये खास गायें

इंसुलिन की उपलब्धता बढ़ाने के लिए दुनिया के वैज्ञानिक हाई–टेक प्रयोगशालाओं के अलावा दूसरे स्रोतों से भी इंसुलिन प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं। वैज्ञानिकों का ध्यान अब गायों की तरफ गया है। आनुवंशिक रूप से संशोधित गायें इंसुलिन फैक्टरी बन सकती हैं। एक नए अध्ययन के अनुसार, आनुवंशिक फेरबदल के बाद गाय ने मानव इंसुलिन युक्त दूध का उत्पादन किया है। इस उपलब्धि को अंततः बढ़ा कर जीवन–रक्षक दवा की आवश्यकता वाले भी डायबिटीज रोगियों के लिए कम लागत पर पर्याप्त इंसुलिन का उत्पादन किया जा सकता है।

15–20 करोड़ लोगों को चाहिये इंसुलिन खुराक

टाइप 1 डायबिटीज रोगियों को जीवित रहने के लिए इंजेक्शन की आवश्यकता होती है। कुछ टाइप 2 डायबिटीज रोगियों को भी इंसुलिन लेनी पड़ती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि दुनिया भर में 15 करोड़ से 20 करोड़ लोगों को इंसुलिन की आवश्यकता होती है। उनमें से केवल आधे का ही इंसुलिन के साथ इलाज किया जा रहा है। कई निम्न और मध्यम आय वाले देशों और कुछ उच्च आय वाले देशों में इंसुलिन तक पहुंच अपर्याप्त है।

दो विश्वविद्यालयों का साझा शोध

इंसुलिन की कमी दूर करने के लिए अमेरिका के इलिनॉय विश्वविद्यालय और ब्राजील के साओ पावलो विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने मिलकर गाय–आधारित 'बायोफैक्टरी' का निर्माण किया है। शोधकर्ताओं ने नियमित ब्राजीलियाई गायों के गर्भाशय में प्रत्यारोपित दस गाय भ्रूणों की कोशिकाओं में इंसुलिन के प्रारंभिक रूप,प्रोइंसुलिन के लिए मानव डीएनए कोडिंग का एक खंड डाला। प्रत्यारोपण के परिणामस्वरूप एक ट्रांसजेनिक बछड़ी का जन्म हुआ। 'ट्रांसजेनिक' शब्द से अभिप्राय एक ऐसे जीव से है जिसमें किसी असंबद्ध जीव से कृत्रिम रूप से लाया गया डीएनए शामिल होता है। ट्रांसजेनिक बछड़ी के दूध में प्रोइंसुलिन का उत्पादन करने की अद्भुत क्षमता है।

प्रक्रिया बेहतर, पैमाना बड़े करने के प्रयास

अध्ययन के मुख्य लेखक मैट वीलर ने कहा कि गाय की स्तन ग्रंथि में प्रोटीन उत्पादन की गजब की काबिलियत है। हम इस प्राकृतिक प्रणाली को कुछ ऐसा बनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं जिससे लाखों लोगों को लाभ हो सके। शोधकर्ता अब इस प्रक्रिया को परिष्कृत करने की कोशिश कर रहे हैं। उनका लक्ष्य ऐसे ट्रांसजेनिक बैल बनाने का है जो इंसुलिन–उत्पादक गुणों को आगे प्रसारित कर सकें ताकि इंसुलिन उत्पादन के लिए गायों का एक समर्पित झुंड तैयार किया जा सके। वीलर ने बताया कि एक गाय,जो प्रति लीटर दूध में केवल एक ग्राम इंसुलिन का उत्पादन करती है,एक चौंका देने वाली मात्रा उत्पन्न कर सकती है। यह मात्रा हजारों इंसुलिन यूनिट्स के बराबर है। एक सामान्य डेयरी फार्म के आकार का गायों का एक छोटा झुंड पूरे देश को आपूर्ति करने के लिए पर्याप्त इंसुलिन का उत्पादन कर सकता है। दूसरे शब्दों में यह मात्रा टाइप 1 डायबिटीज वाले व्यक्ति के लिए लगभग आठ साल तक इंसुलिन की आपूर्ति करने के लिए पर्याप्त है। इस विधि के कई लाभ हैं।

मौजूदा डेयरी इन्फ्रास्ट्रक्चर का होगा फायदा

जटिल मशीनरी और बैक्टीरिया पर निर्भर पारंपरिक तरीकों के विपरीत,गाय–आधारित इंसुलिन उत्पादन मौजूदा डेयरी बुनियादी ढांचे का लाभ उठा सकता है। हालांकि अभी भी कुछ बाधाएं हैं जिन्हें दूर करना बाकी है। इसके लिए एफडीए का अनुमोदन और एक कुशल शुद्धिकरण प्रणाली का निर्माण आवश्यक है। फिर भी उच्च तकनीक सुविधाओं की तुलना में गाय–आधारित इंसुलिन गेम–चेंजर हो सकती है।

शुरुआती खोज

इंसुलिन और डायबिटीज में इसकी भूमिका पहली बार 1921 में खोजी गई थी। साल 1921 में फ्रेडरिक बैंटिंग नामक कैनेडा के एक युवा सर्जन और उनके सहायक चार्ल्स बेस्ट ने कुत्ते के अग्नाशय से इंसुलिन निकालने का तरीका खोजा। तब उनके इस प्रयोग पर संदेह करने वाले सहकर्मियों को यह नहीं पता था कि इस गंदे से मिश्रण से एक दिन डायबिटीज से पीड़ित लाखों लोगों को जीवन मिलेगा। बैंटिंग और बेस्ट ने इस मिश्रण के साथ गंभीर डायबिटीज से पीड़ित एक और कुत्ते को 70 दिनों तक जीवित रखा। इस सफलता के बाद दोनों शोधकर्ता,अपने सहकर्मियों जे.बी.कोलिप और जॉन मैक्लॉयड की मदद से एक कदम आगे बढ़े। इस बार उन्होंने मवेशियों के अग्नाशय (पैंक्रियास) से इंसुलिन का अधिक परिष्कृत और शुद्ध रूप विकसित किया। जनवरी 1922 में टोरंटो अस्पताल में मरणासन्न 14 वर्षीय लड़का लियोनार्ड थॉम्पसन इंसुलिन का इंजेक्शन पाने वाला पहला व्यक्ति बना। केवल 24 घंटों के भीतर लियोनार्ड का खतरनाक हाई ब्लड शुगर का स्तर लगभग सामान्य स्तर तक गिर गया।

बैक्टीरिया अभी इंसुलिन का प्रमुख स्रोत

कई वर्षों तक डायबिटीज के रोगियों का इलाज मवेशियों और सूअरों के अग्नाशय से प्राप्त इंसुलिन से किया जाता रहा। साल 1978 में आनुवंशिक रूप से इंजीनियर किए गए ई.कोलाई बैक्टीरिया से प्राप्त प्रोटीन का उपयोग करके पहली 'मानव' इंसुलिन तैयार की गई जो बैक्टीरिया के बजाय यीस्ट (खमीर) का उपयोग करने वाली समान प्रक्रियाओं के साथ आज तक मेडिकल इंसुलिन का मुख्य स्रोत है। शरीर में इंसुलिन अपने सक्रिय रूप में परिवर्तित होने से पहले, अपने प्रारंभिक प्रोटीन रूप, प्रोइंसुलिन के रूप में जीवन शुरू करती है। आज डायबिटीज रोगियों द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला इंजेक्शन मानव इंसुलिन जीन के प्रयोगशाला–निर्मित रूप को बैक्टीरिया के डीएनए में सम्मिलित करके निर्मित किया जाता है। बड़े फर्मेंटेशन टैंकों में रखे गए बैक्टीरिया मानव इंसुलिन का उत्पादन करने के लिए इस जीन का उपयोग करते हैं।

जलवायु संकट और जीवन रक्षा का प्रश्न

—प्रोदिप्तो घोष—

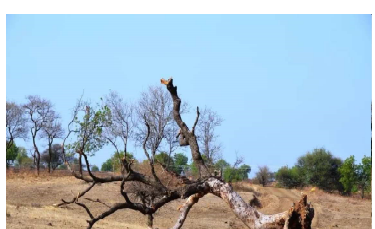

सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) और अनुच्छेद 21 (जीवन एवं आजादी की सुरक्षा) के दायरे को विस्तार देते हुए स्वतंत्रता के अधिकार या जलवायु परिवर्तन के विपरीत प्रभावों से सुरक्षा की आजादी को मान्यता दी है। सर्वप्रथम तो यह स्पष्ट हो कि आखिर 'अधिकार' का अर्थ क्या है। 'अधिकार' किसी व्यक्ति अथवा समूह द्वारा किया वह दावा है (जैसे कि महिला, एलजीबीटीक्यूआईए इत्यादि) जिसकी अहमियत इसकी कीमतों और फायदों से कहीं ऊपर होती है। उदाहरणार्थ, एक पुलिसकर्मी यह दलील नहीं दे सकता कि किसी विधवा के यहां हुई चोरी को सुलझाने में जो वक्त और पैसा लगेगा यदि वह चोरी हुए माल या धन से अधिक है तो उसकी शिकायत पर कार्रवाई करने का क्या औचित्य। दूसरा, अधिकार में सामान्यतः फर्ज भी निहित होता हैदृ किसी व्यक्ति, संस्थान अथवा सरकार का ताकि दावा सही लगे।

विभिन्न गैसों के वैश्विक उत्सर्जन, जिसको ग्रीन हाउस गैस भी कहा जाता है, इनकी वजह से जलवायु परिवर्तन हो रहा है। ऐसे प्रभाव का विकासशील मुल्कों के अपने उत्सर्जन से संबंध कम ही है। इनकी सरकारें अपने तौर पर वैश्विक स्तर के ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन को सीमित करने में कुछ अधिक नहीं कर सकतीं। इसके लिए अंतर्राष्ट्रीय सर्वसम्मति की जरूरत है, इस दिशा में अपेक्षित चाल 1992 से ही धीमी है, जब संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेन्शन ऑन क्लाइमेट चेंज (यूएनएफसीसीसी) नामक प्रस्ताव अपनाया गया था।

यूएनएफसीसीसी मानता है कि जलवायु परिवर्तन के कारकों को थामने, उत्सर्जन घटाने और प्रभावों को कम करने में विकसित मुल्कों के पास अधिक क्षमता है, इसे 'सामान्य किंतु अंतर लाने वाली जिम्मेवारी' नामक सिद्धांत के तौर पर जाना जाता है। पेरिस संधि–2015 के येयों पर अमल फिलहाल शोचनीय रूप से बहुत कम है, जिसके अंतर्गत वैश्विक औसत तापमान में बढ़ोतरी स्वीकार्य सीमा 1.5 डिग्री सेल्सियस के भीतर बनाए रखना है। लेकिन यह न होने पर, वास्तविक धरातल पर इसके प्रभाव स्वरूप मौसम में तीव्र बदलाव बढ़ते जा रहे हैं।

इन परिस्थितियों में, क्योंकि पर्यावरणीय बदलाव भारत पर भी प्रभाव पड़ रहे हैं और अधिकांशतः इसके पीछे जिम्मेवार विकसित देशों के कारनामे हैं, क्या एक आम नागरिक इस जलवायु परिवर्तन से आजादी का हक पाने का दावा कर सकता है? तर्क के आधार कर कहें तो समस्या का मुख्य जिम्मेवार विकसित देशों का समूह है। अब तक, अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण परिवर्तन संधियां विकासशील राष्ट्रों को सुधारक उपाय अपनाने के हेतु बहुत कम धन उपलब्ध करवा पाई हैं। इसलिए, तो क्या सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का अर्थ है कि लागत चाहे कितनी भी हो, भारतीय सरकार को पर्यावरण में सुधार के उपाय करने ही होंगे?

इस अधिकार की अन्य अवधारणा है स्वतंत्रता का अधिकार बनाम भलाई का अधिकार। जीवन का अधिकार, अभिव्यक्ति की आजादी इत्यादि स्वतंत्रता के अधिकार में आते हैं। शिक्षा का अधिकार, जलवायु परिवर्तन से निजात के अधिकार सहित साफ–सुथरा पर्यावरण पाने के हक को भलाई अधिकारों में गिना जाता है। स्वतंत्रता अधिकार में केवल जरूरत है अन्य कोई इनका उल्लंघन न करने पाए जबकि भलाई अधिकार वह हैं जिसकी प्राप्ति करने में तदनुरूप कर्तव्यों पर उद्देश्यपूर्ण कार्रवाई की जरूरत होती है। स्वतंत्रता अधिकारों को लागू करने में अधिकांशतः बहुत ज्यादा कीमत नहीं लगती। लेकिन, कल्याण अधिकारों को मूर्त रूप देने में सामान्यतः बहुत बड़े स्तर पर संसाधनों की आवश्यकता पड़ती है। किंतु जब संसाधन पहले से कम पड़ते हों, जैसा कि विकासशील मुल्कों में होता है, तब चुनाव करते वक्त विभिन्न अन्य कल्याण अधिकारों को तरजीह देनी पड़ती है।

अनेक अध्ययन दर्शाते हैं कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव कम करने में बहुत ज्यादा धन की जरूरत पड़ती है। विकसित देशों की ओर से विशाल मात्रा में अंतर्राष्ट्रीय मदद राशि की अनुपस्थिति के मायने हैं कि भारत सरकार को अपने संसाधन जुटाकर इस समस्या का हल निकालना पड़ेगा। अगर सरकार को अन्य विभिन्न कल्याण अधिकार भी सुनिश्चित करने हैं तो सीमित संसाधनों के चलते प्रत्येक मामले में प्राप्ति आंशिक ही होगी। लगातार बदलते अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण परिवर्तन नियमों के तहत पर्यावरण अधिकार की संपूर्ण प्राप्ति को जरूरत है विकसित देशों से नवीन एवं अतिरिक्त संसाधन विकासशील मुल्कों को दिए जाने की। लेकिन इस किस्म के संसाधन मिलने की संभावना बहुत क्षीण है।

वर्ष 2005 में केंद्रीय सरकार द्वारा प्रदत्त धन से पर्यावरण संबंधित प्रभावों पर एक अध्ययन हुआ था। इसके उद्देश्यों में योजनाएं एवं निवारण कार्यक्रम का सुझाव देने के अलावा जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से बनी स्थिति में राहत उपाय (सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण, वानिकी, चक्रवात शरणस्थली) की शिनाख्त करना और उन पर होने वाले खर्च का अनुमान देना था। इसके निष्कर्ष चौंकाने वाले थे, भारत के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 1.8 प्रतिशत इस किस्म के कार्यक्रमों के ऊपर खर्च हुआ था, यह व्यय भारत के रक्षा बजट जितना था। हो सकता है बाद में यह मात्रा और बढ़ गई हो।

अतएव, क्या जलवायु परिवर्तन से आजादी के अधिकार को मान्यता देने की व्यावहारिकता में काफी उलझने हैं? साफ तौर पर, बाहरी स्रोतों का प्रभाव, यदि कोई है, तो वह बहुत कम होगा। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का जोखिम कम करने में होने वाले खर्च के ऐतिहासिक स्तर के मद्देनजर लगता नहीं कि जलवायु परिवर्तन अधिकार को मूर्त रूप देने के लिए सकल घरेलू उत्पाद के अंश में बढ़ोतरी करने की गुंजाइश है।

तथापि, जैसा कि देश की अर्थव्यवस्था में वृद्धि हो रही है, समस्त संसाधनों का स्तर भी बढ़ेगा। साथ ही, नागरिकों की आय बढ़ने पर, वे जलवायु प्रभाव के परिणामों से बचने को निजी तौर पर अधिक खर्च कर पाएंगे, मसलन, सुरक्षित आवास, स्वास्थ्य देखभाल पर अधिक खर्च, जल–संचयन और अतिशयी आपदाओं के संदर्भ में बीमा करवाना इत्यादि। कुल मिलाकर, जैसे–जैसे देश की अर्थव्यवस्था में वृद्धि होगी वैसे–वैसे जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से नागरिकों का जोखिम कम होता जाएगा। इस असर से मुक्ति पाने में विकास एक चाबी है। कदाचित सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का मुख्य आशय जलवायु संबंधी जोखिमों से बचाव करने पर खर्च में कटौती की भावी संभावना को खत्म करना है। सर्वोच्च न्यायालय का फैसला उस याचिका के संदर्भ में आया है जिसमें राजस्थान और गुजरात में संकटग्रस्त ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (तिलोर) पक्षी के अभयारण्य स्थल से होकर गुजरने वाली अक्षय ऊर्जा की बिजली तारों को जमीन के नीचे डालने का फैसला देने के खिलाफ अपील लगाई गई थी। ऊंचे खम्भों के माध्यम से लगी बिजली आपूर्ति तारों से टकरा कर बड़ी संख्या में पक्षी मारे जाते हैं। बिजली कंपनियों की दलील है कि इसमें बहुत खर्च आएगा और अक्षय ऊर्जा की दरें प्रतिस्पर्धात्मक नहीं रहेंगी।

साफ है, जलवायु सततता का अधिकार और ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन घटाने में भारत की अंतर्राष्ट्रीय जिम्मेवारी का निर्वहन इस मामले में परस्पर विरोधाभासी है। इस अक्षय ऊर्जा की परियोजना की क्षति से भारत को पेरिस जलवायु संधि में किए वादे को निभाना और मुश्किल हो जाएगा। और यदि इस योजना को जारी रखें तो संकटग्रस्त पक्षी की प्रजाति को बचाना कठिन हो जाएगा। अदालत का सुझाव है कि इन दोनों चिंताओं का व्यावहारिक हल निकालने के लिए विशेषज्ञ अध्ययन करवाया जाए। यदि रास्ता निकलता है तो बहुत बढ़िया वर्ना शायद नीति अनुसंधान संस्थान इस मुश्किल दुविधा का हल निकालने में मददगार हो पाए।—लेखक ऊर्जा एवं संसाधन संस्थान में विशेषज्ञ हैं।

गरीबी है कि हटती ही नहीं

—राकेश गांधी—

चुनाव आते ही गरीबों के चेहरे कुछ समय के लिए प्रसन्नता से खिल उठते हैं, क्योंकि अंततोगत्वा पांच साल बाद उन्हें याद जरूर कर लिया जाता है। चुनाव के तत्काल बाद ये गरीब राजनीतिक दलों के नेताओं के मानस पटल से हट भी जाते हैं। याद आना अच्छी बात है, पर हैरानी इस बात की भी है कि आजादी के साढ़े सात दशक बाद भी आखिर गरीबी मिट क्यों नहीं रही.. ? क्यों राजनीतिक दलों ने 'गरीबी हटाओ' नारे को अपना स्थाई जुमला बना रखा है?

गरीबी तो हटती नहीं, पर साल–दर–साल गरीबों का गरीबी में ही जरूर नामोनिशां मिट जाता है। चुनावी समर चल रहा है। अभी तो इन 'गरीबों' की भी पौ बारह है। नेता रोज ही इनकी पूजा–अर्चना व भरपेट खाना पहुंचाने में व्यस्त चल रहे हैं। चुनाव से निपटते ही इन गरीबों को फिर से इन्हीं के हाल छोड़ दिया जाएगा। कुल मिलाकर मुफ्तखोरी की आदत डालकर इन गरीबों को गरीब ही बनाए रखने और सालों–साल इन पर राज करने का सिलसिला बदस्तूर जारी है।

हाल ही में राजनीतिक दलों के घोषणा पत्र जारी हुए हैं। जोर–शोर से आगामी पांच साल में गरीबों के भूखे पेट का उपचार करने की बात की जा रही है। इससे ज्यादा तो कुछ होगा भी नहीं। जब साढ़े सात दशक में भी नहीं हो पाया तो अब क्या उम्मीद की जा सकती है। केवल गरीबी हटाने ही नहीं, हर बार लाखों नौकरियां देने के वादे भी किए जाते रहे हैं। ये बात अलग है कि पांच साल बाद भी हालात जस के तस ही रहते हैं और फिर शुरु हो जाता है जुमलों का दौर। इससे भी दुःखद तो ये है कि आजादी के बाद से लोगों को पानी, बिजली, सड़क, उच्च शिक्षा व बेहतर चिकित्सा जैसी बुनियादी सुविधाएं जुटाने के भी वादे किए जाते रहे हैं।

इसके उलट आजादी के 77 साल बाद भी देश में ऐसे कई शहर व गांव मिल जाएंगे, जहां डामर की सड़क तो छोड़ो, अभी कच्ची सड़क तक नसीब नहीं हुई है। घटिया सीवरेज व्यवस्था के कारण बरसात के दिनों में शहरों में लोग कई–कई दिनों तक पानी से घिरे घरों में कैद रहते हैं। पीने को पर्याप्त पानी नहीं मिलता। कई गांवों में यातायात के साधन तक नहीं पहुंच पाए हैं। देश की सिलिकॉन सिटी बेंगलुरु जैसे प्रमुख शहर के लोग जब पेयजल संकट के भयानक हालात से जूझ रहे हैं तो दूरदराज के गांवों की क्या बात करें।

हां, पिछले कुछ सालों में सारे देश में हाई–वे जरूर बने हैं। लिंक रोड से लोगों का आवागमन सुगम हुआ है। पर इसमें भी गरीब तो अभी भी गरीब ही है। उसकी गरीबी का निवारण अभी तक भी नहीं हो पा रहा है। इसमें किसी एक राजनीतिक दल को दोष देने से कुछ होना भी नहीं है। देश में आमूलचूल परिवर्तन की जरूरत है। सालों–साल झूठे वादे करने वालों से बचने की जरूरत है। वैसे भी देश में किसी नागरिक को 'गरीब' कहना किसी गाली से कम नहीं है। गरीब का मतलब केवल निर्धन ही नहीं, बल्कि उन्हें जबरन दरिद्र, कंगाल, दीनहीन, बेचारा, लाचार जैसे शब्दों से नवाजना है। ऐसे में वे जरूरतमंद जरूर हो सकते हैं, पर 'गरीब' तो बिल्कुल नहीं।

हमें ये मान लेना चाहिए कि अब देश में जब तक आखिरी इंसान तक रोजगार, पर्याप्त पेयजल, बिजली, जरूरी चिकित्सा व शिक्षा के संसाधन नहीं पहुंच जाते, तब तक विकास की बात करना बेमानी होगी। हमें ये याद रखना चाहिए कि विख्यात सर्वोदयी व सामाजिक कार्यकर्ता तथा महात्मा गांधी के अनुयायी बाबा विनोबा जीवनपर्यन्त 'अन्त्योदय' की बात करते थे। 'अन्त्योदय' यानी अंत तक उदय। देश के आखिरी आदमी तक विकास की बात उनके इस ब्रह्मवाक्य में निहित थी।अन्त्योदय आज देश की अहम जरूरत बन गया है। सरकार जब तक इस 'अन्त्योदय' को नहीं अपनाती, तब तक देश को विकसित राष्ट्र नहीं माना जा सकता।

पुलिस मुठभेड़ में 25 हजार का इनामिया हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

संवाददाता–श्रावस्ती। मंगलवार रात पुलिस को बड़ी सफलता मिली। पुलिस ने भारत नेपाल सीमा स्थित ककरदरी जंगल से पुलिस ने 25 हजार का इनाम घोषित हिस्ट्रीशीटर को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। बदमाश के पैर में गोली लगी है और उसके कब्जे से तमंचा, कारतूस व चोरी की बाइक बरामद की गई है। मंगलवार रात को सिरसिया पुलिस के साथ स्वाट टीम क्षेत्र में भ्रमण कर रही थी। इस दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि 25 हजार का इनाम घोषित हिस्ट्रीशीटर शातिर चोर शंकर चौहान पुत्र बहादुर निवासी ग्राम लोनियन पुरवा कोतवाली भिनगा अपने एक साथी के साथ बाइक से शाहपुर पुरेशिवदीन के निकट ककरदरी जंगल आने वाले रास्ते पर आ रहा है। सूचना पर सिरसिया पुलिस व स्वाट टीम ने ककरदरी जंगल के पास पहुंच कर रास्ते की घेराबंदी कर दी। इस दौरान हिस्ट्रीशीटर अपने साथी के साथ आता दिखाई दिया। लेकिन उसे पुलिस के मौजूदगी की भनक लग गई तो वह सक्रिय हो गया और पकड़ने का प्रयास कर करने वाली पुलिस टीम पर फायर कर दिया। जिसमें सभी जवान बाल बाल बच गए। वहीं आत्मरक्षा में पुलिस ने भी फायरिंग की और गोली हिस्ट्रीशीटर शंकर चौहान के दाहिने पैर में जा लगी। इससे वह गिर गया और पुलिस ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। जबकि दूसरा साथी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर के कब्जे से एक तमंचा, कारतूस व चोरी की बाइक बरामद कर जब्त कर लिया। घायल अवस्था में रात में ही हिस्ट्रीशीटर शंकर को इलाज के लिए सीएचसी सिरसिया में भर्ती कराया गया। आरोपी के विरुद्ध विभिन्न थानों में चोरी, मारपीट, शराब तस्करी समेत आधा दर्जन मामले दर्ज हैं। गिरफ्तारी टीम में प्रभारी निरीक्षक सिरसिया भानु प्रताप सिंह, उपनिरीक्षक अजय कुमार सिंह, मुख्य आरक्षी तौसीफ खान आदि मौजूद रहे।

पुलिस, एसएसबी व एपीएफ के बीच हुई समन्वय बैठक

संवाददाता–श्रावस्ती। लोकसभा चुनाव को लेकर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को पुलिस अधीक्षक, एसएसबी कमांडेन्ट व नेपाल सुरक्षा एपीएफ अधिकारियों के बीच सीमा चौकी सुइया में समन्वय बैठक की गई। बैठक में भारत नेपाल सीमा की सुरक्षा पर विस्तार से चर्चा हुई।

समन्वय बैठक में पुलिस विभाग से पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया, 62वीं वाहिनी एसएसबी कमांडेन्ट रवीन्द्र कुमार राजेश्वरी व नेपाल एपीएफ से निरीक्षक गोविन्द प्रसाद शामिल हुए। बैठक में दोनों देशों के अधिकारियों के बीच लोकसभा आम चुनाव को शांति पूर्ण संपन्न कराने, अधिक से अधिक मतदान के लिए मतदाताओं को जागरूक करने व मतदाता जन जागरूकता रैली का आयोजन करने पर चर्चा की गई। साथ ही मानव तस्करी, मादक पदार्थों की तस्करी, मांस तस्करी पर नियंत्रण सहित अन्य अवैध गतिविधियों को रोकने, दोहरी नागरिकता वाले नागरिकों की पहचान करने, शांतिपूर्ण माहौल में चुनाव को संपन्न कराने, सीमा पर आने–जाने वाले रास्तों पर नागरिकों के पहचान पत्र की चेकिंग व वाहनों की तलाशी करने, भारत–नेपाल सीमा पर कड़ी सुरक्षा व निगरानी रखने आदि बिन्दुओं पर विस्तार चर्चा की गयी। इस मौके पर उपकमान्डेंट एसएसबी सोनू कुमार, प्रभारी निरीक्षक थाना सिरसिया भानु प्रताप सिंह, एसएसबी निरीक्षक मान बहादुर गुरुंग, नेपाल एपीएफ से निरीक्षक गोविन्द प्रसाद आदि मौजूद रहे। बैठक के बाद सुइया में छात्रों के साथ मतदाता जागरूकता रैली निकाल कर लोगों को मतदान के लिए जागरूक किया गया।

नेपाल सीमा से भारत में प्रवेश कर रही थी इंडोनेशिया की महिला, भारतीय एजेंसियों ने लौटा दिया

संवाददाता–महराजगंज। भारत– नेपाल सीमा सोनौली बॉर्डर पर एसएसबी और आव्रजन विभाग ने जांच के दौरान इंडोनेशिया की एक महिला को हिरासत में ले लिया। महिला के पास भारत में प्रवेश के लिए वैध कागजात नहीं थे। जबकि नेपाल में रहने के कागजात पाए गए। पूछताछ के बाद अधिकारियों ने उसे वापस नेपाल पुलिस को सौंप दिया है। मंगलवार देर रात भारत–नेपाल सीमा सोनौली के मेन गेट पर एसएसबी और आव्रजन अधिकारी रूटीन जांच कर रहे थे। इस दौरान नेपाल से भारतीय सीमा में प्रवेश करते समय एक विदेशी महिला को जांच के दौरान इमिग्रेशन कार्यालय सोनौली के अधिकारियों द्वारा रोककर उसके प्रपत्रों की जांच की गई, जिसमें महिला का नाम इसनैनी जन्मतिथि(15–12–1983) पासपोर्ट नंबर (C6622254) पासपोर्ट जारी (26–02–2020) पासपोर्ट समाप्ति (26–02–2025) राष्ट्र इंडोनेशिया पाया गया। पासपोर्ट जारी स्थान –जकार्ता इंडोनेशिया, होना पाया गया।

ज्ञात हुआ कि वीजा की वैधता तिथि समाप्त हो गई थी, और उक्त विदेशी महिला द्वारा इमिग्रेशन कार्यालय बेलहिया जिला रुपन्देही नेपाल पर वीजा समाप्ति के उपरांत जुर्माना/शुल्क बिना जमा किए ही भारत में प्रवेश कर गई थी। इसलिए इमिग्रेशन कार्यालय सोनौली जिला महराजगंज द्वारा रात्रि को पुनः जांच व वीजा क्लियरेंस के लिए इमिग्रेशन कार्यालय बेलहिया जिला रुपन्देही नेपाल को वापस किया गया। इंस्पेक्टर बेलहिया कृष्ण कुमार विस्ट ने बताया कि इंडोनेशिया की महिला को आव्रजन विभाग ने बेलहिया जिले के सुपुर्द किया गया।

सड़क हादसे में युवक की मौत

संवाददाता–देवरिया। सोनूघाट मुख्य मार्ग पर स्थित घटैला चेती गांव के पास बुधवार को एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार युवक को रौंद दिया। युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। उसका शव क्षत–विक्षत हो गया। मौके पर भारी संख्या में भीड़ एकत्रित हो गई, जिसके चलते सड़क के दोनों तरफ कुछ देर से लिए आवागमन ठप हो गया। मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष ने पंचनामा बनाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजवाया। इसके बाद आवागमन सुचारु रुप से बहाल हो सका। बरियापुर थाने के पडरी मल्ल गांव निवासी कन्हैया गोंड का पुत्र सोनू(25) सुबह में घर से बाइक से महुआनी चौराहे पर किसी काम से आया था। काम खत्म कर वह वापस अपने घर जा रहा था। अभी वह घटैला चेती गांव के सामने पहुंचा ही था कि पीछे से आ रही तेज रफ्तार ट्रक ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना में सोनू की मौके पर ही मौत हो गई। उसका शव क्षत–विक्षत हो गया। सूचना के बाद मौके पर भारी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों ने घटना को अंजाम देकर भाग रहे ट्रक को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन वह भागने में सफल हो गया।

लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ट्रक के पीछे लगी है। इस घटना के बाद लोगों में काफी आक्रोश व्याप्त था। घटैला चेती गांव के सामने सड़क पर सैकड़ों लोगों की भीड़ जुटी थी, जिससे वाहनों की कतार लग गई थी। बीच सड़क पर क्षत विक्षत शव होने के चलते बड़े वाहन नहीं आ पा रहे थे। सूचना पर पहुंचे एसओ दिग्विजय सिंह ने पंचनामा तैयार कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजवा आवागमन बहाल करवाया।

गोशाला में नहीं मिला हरा चारा डीएम ने लगाई फटकार -डीएम

संवाददाता–श्रावस्ती। जिलाधिकारी कृतिका शर्मा ने विकास खण्ड इकौना के गोआश्रय स्थल अकबरपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने मातहतों को निर्देश दिया कि गोवंशों को किसी प्रकार की समस्या न होने पाए। इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए। वहीं हरा चारा न मिलने पर डीएम ने मातहतों को फटकार लगाई। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने चन्नी, भूसा, पानी, प्रकाश तथा जल निकासी आदि व्यवस्थाओं को देखा। गोशाला में पर्याप्त जगह उपलब्ध होने के बाद भी हरा चारा न मिलने पर केन्द्र प्रभारी को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि पशुओं के लिए चारा–पानी एवं उनके रहने के लिए छाया की व्यवस्था ठीक होनी चाहिए। चिन्हित भूमि पर नैपियर घास उगायी जाए, ताकि पशुओं को हरा चारा मिलता रहे। वहीं छाया के लिए शेड का निर्माण मानक के अनुरूप न पाये जाने पर मातहतों को फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि गोशाला में संरक्षित पशुओं को किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत न हो। यदि किसी भी क्षेत्र में कोई भी गोवंश के अस्वस्थ होने की सूचना मिलती है तो सम्बन्धित क्षेत्र के पशु चिकित्साधिकारी उनका इलाज करें। सभी गोआश्रय स्थल में संरक्षित पशुओं का चिकित्सक समय–समय पर जांच करें। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी इकौना ओम प्रकाश सहित गोशाला के प्रभारी एवं अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

बृजभूषण ने रायबरेली और कैसरगंज सीट पर टिकट कंफर्म होने की बताई डेट, कहा कैसरगंज की जनता कहती अबकी बार 5 लाख के पार

संवाददाता–बहराइच। कैसरगंज लोकसभा सीट से बीजेपी सांसद बृजभूषण सिंह के टिकट को लेकर अभी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। फिर भी सांसद अपने प्रचार प्रसार में जुटे हुए हैं। चुनाव प्रबंधन की बैठक में उन्होंने कार्यकर्ताओं से कैसरगंज और रायबरेली सीट पर टिकट कंफर्म होने की संभावित डेट बता दी। हराइच जिले के जरवल कस्बा के एक मैरिज हॉल में भारतीय जनता पार्टी चुनाव प्रबंधन की बैठक हुई। जिसके मुख्य अतिथि कैसरगंज सांसद बृजभूषण सिंह रहे। बैठक में भाग लेने पहुंचे कैसरगंज सांसद बृजभूषण सिंह का भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि पार्टी नेतृत्व ने अभी टिकट कंफर्म नहीं किया है। पहली सूची 2 मार्च को जारी हुई थी। उस हिसाब से हम लोग 53 दिन पीछे हैं। सिर्फ 20 दिनों में चुनाव लड़ना है। लेकिन कैसरगंज की जनता कहती है। अबकी बार 5 लाख के पार। जिले के जरवल कस्बा में चुनाव प्रबंधन की बैठक में मुख्य अतिथि के तौर पर भाग लेने पहुंचे बीजेपी सांसद बृजभूषण सिंह ने कार्यकर्ताओं में खूब जोश भरा। बीजेपी सांसद ने कहा कि मोदी जी कहते हैं। अबकी बार 400 के पार, लेकिन कैसरगंज की जनता कहती है अबकी बार 5 लाख के पार। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता जानते हैं कि अभी उनका टिकट पार्टी ने कंफर्म नहीं किया है। कहां कि रायबरेली और कैसरगंज दोनों सीट पर पार्टी नेतृत्व ने अभी किसी को टिकट नहीं दिया है। मुझे लगता है कि 26 अप्रैल से 3 मई के बीच नामांकन प्रक्रिया के बीच टिकट कंफर्म हो जाएगा। वैसे भी भाजपा को 20 दिनों में चुनाव लड़ना है। यह पार्टी के कार्यकर्ता खुद जानते हैं। बीजेपी सांसद बृजभूषण सिंह ने कहा कि चुनाव के दिन तापमान काफी अधिक रहने की उम्मीद है। ऐसे में छाया पानी की बेहतर व्यवस्था की जाए। जिससे मतदाताओं को परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने लोगों से चुनाव के दिन घरों से बाहर निकल कर अधिक से अधिक मतदान करने की अपील किया। बृजभूषण सिंह ने कहा कि इस बार कैसरगंज लोकसभा सीट का नाम देश विदेश में चर्चा का विषय बना हुआ है। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए कहा कि सांसद यहां से बहुत हुए। लेकिन कैसरगंज सीट कभी चर्चा में नहीं आई। कहा कि पार्टी हाईं कमान का जो भी फैसला होगा सब अच्छा ही रहेगा। इस अवसर पर भाजपा नेता एवं लोकतंत्र सेनानी प्रमोद गुप्ता, गौरव वर्मा, पवन वर्मा, जिला मंत्री संजय राय, सौरभ कसौधन, सांसद प्रतिनिधि सुनील सिंह, मंडल महामंत्री प्रदीप जायसवाल सहित काफी संख्या में बीजेपी के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

एक सुर में बोले प्रधान, गांवों में कराएंगे मतदान

संवाददाता–गोंडा। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर बुधवार को जिला पंचायत सभागार में लोकसभा चुनाव में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के मद्देनजर जिला प्रशासन ने ग्राम प्रधानों के साथ संवाद किया। इसमें जिले के 16 ब्लॉकों के ग्राम प्रधान शामिल हुए। ब्लॉक मुख्यालयों से प्रधान वर्चुअल रूप से भी संवाद से जुड़े।

कार्यक्रम का शुभारंभ डीईओडीएम नेहा शर्मा और सीआरओ महेश प्रकाश ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। डीएम नेहा शर्मा ने कहा कि नई ऊर्जा के साथ 20 मई को शत प्रतिशत मतदान करके देश में जिले का नाम रोशन करना है। कहा कि हमारी जो पुरानी पहचान सबसे पीछे स्थान पर रही है, इसे तोड़ना है। वह चाहे ब्लॉक स्तर पर हो, ग्रामीण स्तर या फिर नगर पालिका स्तर पर हमें सभी रिकॉर्ड में आगे आना है। डीएम ने चुनाव का पर्व देश का गर्व के चुनाव आयोग के स्लोगन को ऊंचा करने में ग्राम पंचायतों का अहम योगदान रहता है। सीआरओ महेश प्रकाश ने कहा कि ग्राम पंचायतों में शत प्रतिशत मतदान कराने की जिम्मेदारी आपके कंधों पर होगी। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी को देखते हुए सभी प्रधान मतदान के दिन बूथों पर पेयजल, छाया की व्यवस्था जरूर करें। इस दौरान सीएमओ डॉ. रश्मि वर्मा, सिटी मजिस्ट्रेट विजय शर्मा, पीडी चंद्रशेखर, डीपीआरओ लालजी दूबे, डीआईओएस राकेश कुमार, जिला कृषि अधिकारी जगदीश प्रसाद, डीएसओ कृष्ण गोपाल पांडे सहित अन्य मौजूद रहे। संचालक रघुनाथ पांडे ने प्रधानों ने सहयोग के बिना शत प्रतिशत मतदान की कल्पना करना बेमानी है।

प्रधानों ने प्रशासन को दिए सुझावरूप झंझरी ब्लॉक अंतर्गत भगहर बुलंद प्रधान नरसिंह नारायन शुक्ला ने प्रशासन को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि हम सभी लोग सौ प्रतिशत मतदान कराने की अलख जन–जन तक जगाएंगे। कहा कि प्रधानों के नंबर अफसर उठा सकें ऐसा कोई नंबर दिया जाए। प्रधान ग्राम पंचायत की सबसे छोटी इकाई है। जो राजनीति के शिकार होने से पंचायतों के विकास कार्य रुक जाते हैं। इसमें भी स्थानीय बड़े नेता अपना रुतबा दिखाते हैं। इसपर कुछ कदम उठाएं जाएं।

नगर पालिका क्षेत्र में लगाये गए वाटर कूलर बने सफेद हाथी

संवाददाता–श्रावस्ती। अप्रैल प्रचण्ड गर्मी की मार पड़ रही है। हर कोई गर्मी के कारण हाल बेहाल नजर आ रहा है। भयंकर गर्मी से ठंडे पानी की किल्लत न हो इसलिए नगर पालिका प्रशासन की तरफ से नगर में कई स्थानों पर वाटर कूलर की स्थापना करीब छह महीने पहले की गई थी। लेकिन ठंडा पानी तो दूर एक बूंद नॉर्मल पानी भी वाटर कूलर से नहीं निकल सका। वाटर कूलर लगने के बाद नगर पालिका का कोई जिम्मेदार कर्मचारी सुधि लेने नहीं गया। जबकि एक वाटरकूलर की कीमत करीब पांच लाख रुपए खर्च किए गए हैं। नगर पालिका प्रशासन के तरफ से जिला अस्पताल परिसर में मरीजों व तीमारदारों के लिए एक अदद वाटर कूलर की स्थापना की गई थी जिसमें आज तक एक बून्द पानी नहीं निकल सका। इलाज कराने आ रहे लोग ठंडे पानी के लिए तरस जाते हैं। मजबूरन पानी के लिए लोगों को इधर उधर भटकना पड़ता है। इसी तरह से वार्ड नम्बर 10 पटेल नगर में भी वाटर कूलर लगवाया गया था। वार्ड सभासद कलीम ने बताया कि मेरे घर के पास ही वाटरकूलर स्थापित किया गया था। जिस पानी टंकी से पानी की सप्लाई वाटर कूलर में की गई है वहां से पानी के साथ बालू आ रहा है जो पीने योग्य नहीं है। वाटर कूलर भी कुछ दिन चलने के बाद बंद हो गया है शुद्ध व ठंडे पेयजल की वार्ड में समस्या व्याप्त है।

इसी तरह वार्ड नम्बर आठ गौतमबुद्ध नगर के सभासद भोला यादव यादव ने बताया कि रेंजरी के पास स्थित मजार के परिसर में नगर पालिका के तरफ से वाटर कूलर लगवाया गया था चूंकि मजार पर जियारत व चादर पोसी के लिए जायरीनों की आमद रहती है। गर्मी में जायरीनों को शुद्ध व ठंडा पानी मिल सके इसलिए वाटरकूलर लगा था लेकिन 1–2 दिन ही ठंडा पानी वाटरकूलर से निकल सका उसके बाद से बन्द हो गया। वहीं वार्ड नम्बर 18 टंडवा उत्तरी के सभासद मोहम्मद आमिर खान ने बताया कि वार्ड में पानी की समस्या अधिक है वार्ड में लगे नल पानी नहीं दे रहे है ज्यादा से ज्यादा खराब पड़े है वार्ड में जगह न मिल पाने के कारण नपाप की तरफ वाटरकूलर नहीं लगवाया गया था। वार्ड नम्बर 23 कोट रियासत के सभासद प्रमोद कुमार गुप्ता ने बताया कि हमारे वार्ड में दो जगह काली मन्दिर व सीएमओ आवास के सामने वाटर कूलर स्थापित किए गए थे। कुछ दिन पूर्व वाटर कूलर सेंसर खराब हो जाने के कारण करीब एक महीने बन्द पड़ा पड़ा था। जिसको ठीक कराया गया है। इरफान,अध्यक्ष नगर पालिका परिषद ने कहा कि नगर में स्थापित कई वाटर कूलर चल नहीं रहे हैं जो कि संज्ञान में है। जिस ठेकेदार ने वाटर कूलर लगवाया था उसको दो बार सही कराने के लिए पत्र जारी किया गया है। जल्द ही सभी वाटर कूलर सही हो जायेंगे और नगर वासियों को शीतल पेयजल मिलने लगेगा।

भूमि हड़पने की जांच में तहसीलदार ने आरोपितों को दी क्लीनचिट

संवाददाता–बहराइच। नगर पालिका परिषद की जमीन हड़पने की शिकायत पर तहसील प्रशासन ने टीम बनाकर जांच कराई। जिसमें संबंधित जमीन नाला, रेलवे और आबादी की निकली, जो जेड ए खातेदारों के नाम दर्ज पाई गई, उसमें कोई बदलाव नहीं पाया गया। नगर पालिका की ओर से एक सप्ताह पूर्व की गई शिकायत सही नहीं पाई गई। तहसीलदार नानपारा ने अपनी जांच रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेज दी है।

नगरपालिका नानपारा ने गत 15 अप्रैल को उपजिलाधिकारी नानपारा व राजस्व परिषद को पत्र लिखकर नगरपालिका नानपारा की नान जेड ए जमीन को जेड ए में परिवर्तित कर दो लोगों के नाम किए जाने का आरोप लगाया था। जिलाधिकारी के निर्देश पर पत्र का संज्ञान लेकर उपजिलाधिकारी अश्वनी पांडे ने टीम बनाकर मामले की जांच कराई। जांच अधिकारी तहसीलदार नानपारा अजय कुमार यादव ने बताया कि सीएच 41 की गाटा संख्या 4237 का कुल क्षेत्रफल 2.790 एकड़ है। सीएच 41 की गाटा संख्या 4237 क क्षेत्रफल 1.340 है, जिसमें सीएच 45 की संख्या 242 पर दर्ज गाटा संख्या 4237 क 1.340 खाता धारक के नाम संक्रमणीय भूमिधर दर्ज है। गाटा संख्या में दर्ज खाताधारक के नाम क्षेत्रफल 0.543 दर्ज है, जो 1.340 एकड़ है। नॉन जेड ए व जेड ए भूमि के दोनों खाते विभक्त हैं। खेतौनी में पुराना नम्बर 8068 में 0.890 एकड़ भूमि नाला व 0.170 एकड़ भूमि नोटिफाइएरिया के नाम दर्ज है। नान जेड ए, जेडए व सीएच 41 व 45 व खतौनी में दर्ज खातेदारों के नाम का उल्लेख करते हुए विस्तृत रिपोर्ट सौंपी, जिसमें कहा गया कि अभिलेख में हेरा फेरी नहीं हुई है। नानजेड ए व जेड ए की भूमि अलग–अलग है। किसी प्रकार कोई हेरा–फेरी नहीं की गई। अपनी रिपोर्ट में उन्होंने आरोपितों को क्लीनचिट दी है।

अग्निकांडों में 94 फूस के मकान खाक, भैंस झुलसी

संवाददाता–बलरामपुर। दिन भर चलने वाली तेज पछुआ हवाएं अग्निकांड का कारण बन रही हैं। स्थानीय थाना क्षेत्र के चार गांव में मंगलवार देर रात से बुधवार दोपहर तक अग्निकांड की चार घटनाएं हुई हैं। जिसमें 94 फूस के मकान खाक हुए हैं। एक भैंस गंभीर रूप से झुलसी है। हालांकि अग्निकांड में किसी व्यक्ति के झुलसने की सूचना नहीं है। एक करोड़ रुपए से अधिक की सम्पत्ति खाक होने का अनुमान लगाया जा रहा है। बुधवार दोपहर थाना क्षेत्र के बनकटवा खुर्द गांव में अज्ञात कारणों से लगी आग में 60 मकान जले हैं। आग पर अभी तक पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका है। थाना क्षेत्र के रमवापुर रिसाल गांव में मंगलवार देर रात 32 फूस के आशियाने जले हैं।

दिन भर चलने वाली तेज पछुआ हवाएं ग्रामीणों के लिए अभिशाप साबित हो रही हैं। तेज हवा में फैली एक चिंगारी देखते ही देखते अग्निकांड का कारण बन जाती है। बात शुरू करते हैं थाना क्षेत्र के बनकटवा खुर्द गांव से। बुधवार दोपहर लगभग 11 बजे बनकटवा के मजरे नाऊ पुरवा में पप्पू यादव के घर अज्ञात कारण से आग लग गई। गुहार सुनकर अधिकांश लोग आग बुझाने नाऊपुरवा चले गए। केवल पप्पू यादव का घर जला और ग्रामीणों ने आग पर काबू पा लिया। अभी चर्चा चल ही रही थी कि बनकटवा खुर्द गांव में चीख पुकार मच गई। गूठे की झोपड़ी से आग की लपटें उठने लगीं। पछुआ हवाओं के साथ उड़ने वाले आग के गोले गांव में फैलने लगे। देखते ही देखते आधा गांव आग की चपेट में आ गया। ग्रामीण चाहकर भी कुछ नहीं कर पा रहे थे। लपटें इतनी तेज थी कि लोगों को जान बचाकर भागना पड़ा। आग के डर से पूरा गांव खाली हो गया। सूचना पाकर पुलिस बल व अग्निशमन कर्मी भी पहुंच गए। अग्निशमन कर्मी भी गांव के भीतर घुसने का साहस नहीं कर पा रहे थे। देखते ही देखते कंकन, तिलकराम, अलगाई, रतिराम, सुंदरलाल, बैरागी, चेतराम, भग्गू, अतवारी, सीताराम, रामफेरन, गोले, बच्चू, केशव राम, गोमती प्रसाद, बिनती राम, पिंटू, शिव प्रसाद, हरीराम, द्वारिका प्रसाद, गोली, अशर्फी लाल, उदयराज, द्वारिका प्रसाद गौतम, मझले गौतम, कल्लू गौतम, सीताराम गौतम, कुन्नू वर्मा, बूढ़े, विजय बहादुर वर्मा, अजीज, कन्नन, प्रकाश, इरशादुल्लाह, शेषराम, सुंदर यादव, राकेश यादव, शिव प्रसाद, चेतराम, परशुराम गौतम, संतोषी गौतम, भग्गू लाल, बजरंगी, लालता प्रसाद आदि के मकान जलकर खाक हो गए। जंगलवर्ती गांव होने के कारण अधिकांश लोगों ने मोटी लकड़ियां घरों में रखी थीं। जो पेट्रोल की तरह जल रही थीं। छह घंटे प्रयास के बाद आग पर काबू पाया जा सका है। इसी तरह थाना क्षेत्र के कटकुइया गांव निवासी अशोक पाण्डेय के फूस का मकान जला है। उनकी एक भैंस गंभीर रूप से झुलसी है।

चीनी–चायपत्ती मांगने पर ससुरालवालों ने पीटा

संवाददाता–गोण्डा। नगर पंचायत धानेपुर के मोहल्ला कालूराय की रहने वाली महिला को अपने सास से चीनी–चायपत्ती मांगना महंगा पड़ा गया है। ससुरालवालों ने महिला की जमकर पिटाई कर दी। शिकायत पर पुलिस ने पति, सास सहित चार पर मुकदमा दर्ज किया है। कालूराय मोहल्ले की महिला इन्दू पाण्डेय के मुताबिक 20 अप्रैल को सुबह उसने सास से चाय बनाने के लिए चीनी व चायपत्ती मांगा। आरोप है कि सास ने उससे कहा कि तुम्हारे पास हरदम चीनी–चायपत्ती घटा रहता है, हम नहीं दे पायेंगे। महिला का आरोप लगाया है इतने में मौजूद उसका देवर पिटाई करने लगा। इसी बीच पीड़िता का पति, देवर व सास मिलकर उसकी पिटाई करने लगे और उसको एक कमरे में बंद कर कर दिया। आरोप है कि सास ने अपने बेटों से कहा कि इसको मारकर कमरे में जला दो हम दूसरी शादी कर लेंगे। इतना सुनते ही कमरे में बंद महिला ने अपने पति को फोन किया। इस पर देवर ने कमरा खोलकर उसकी मोबाइल छीनकर फोन तोड़ दिया। प्रभारी निरीक्षक वेद प्रकाश शुक्ला ने बताया कि पीड़ित महिला की तहरीर पर सास मिथिलेश पांडेय, पति संदीप पाण्डेय,देवर अरुण कुमार पांडेय व प्रदीप के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया।

छात्राओं ने मानसिक रोग के संबंध में हासिल की जानकारी

संवाददाता–गोंडा। शहर के सरस्वती देवी नारी ज्ञानस्थली पीजी कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग की छात्राओं ने बुधवार को बाबू ईश्वर शरण चिकित्सालय के मनोचिकित्सा विभाग की डॉ. आकांक्षा सिंह के साथ ओपीडी में जानकारी प्राप्त की। मनोविज्ञान विभाग की डा. सीमा श्रीवास्तव और शिक्षिका कंचनलता पाण्डेय, डा. विमला के नेतृत्व में 55 छात्राओं का ग्रुप अस्पताल पहुंचा। डॉक्टर से छात्रों ने संवाद में विभिन्न बीमारियों के बारे के जानकारी ली।

पिता की बेची भूमि का कर दिया बैनामा

संवाददाता–गोण्डा। पिता की ओर से विक्रय शुदा भूमि को बेटों ने राजस्व विभाग से मिलीभगत कर जरिए वरासत अपने नाम दर्ज कराया और फिर बेच दिया। दाखिल खारिज के दौरान क्रेता को जानकारी मिली तो उसने आपत्ति की। साथ ही इस मामले की शिकायत एसपी से की। एसपी के निर्देश पर धानेपुर पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। धानेपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत खीरमारी के मजरा चिड़ियापुर के रहने वाले कुंवरचंद्र के मुताबिक नगर पंचायत धानेपुर में स्थित संयुक्त खाते की भूमि को उन्होंने वर्ष 2009 में बेलवार पुरवा के रहने वाले शोभाराम सहित चार लोगों से बैनामा कराया था। धानेपुर में चकबंदी प्रक्रिया के दौरान खतौनी में भूमि उनके नाम दर्ज हो गई लेकिन चकबंदी कर्मचारियों के भूलवश विक्रेता शोभाराम का नाम आकार पत्र 45 में दर्ज रह गया। इधर शोभाराम की वर्ष 2012 में मौत हो गई। इसके बाद उसके बेटों की ओर से वर्ष 2023 में तहसीलदार के यहां वरासत के लिए आवेदन किया गया। इस पर तत्कालीन राजस्व निरीक्षक वह हल्का लेखपाल की ओर से जांच किया गया लेकिन कोई अग्रिम कार्यवाही नहीं हुई। राजस्व निरीक्षक व हल्का लेखपाल का तबादला होने कुछ समय बाद मृतक के बेटों की ओर से पुनः वरासत के लिए आवेदन कर दिया गया। पीड़ित कुंवर चंद्र का आरोप है कि राजस्व निरीक्षक व हल्का लेखपाल ने अनुचित लाभ लेकर मृतक शोभाराम के स्थान पर उनके तीनों बेटों के नाम जरिए वरासत दर्ज कर दिया गया। इसके बाद बाजार बाग के रहने वाले मुकर्रम अली ने ओमप्रकाश व चंद्र प्रकाश से अपने पक्ष में बैनामा करा लिया। इस बात की जानकारी उसे दाखिल खारिज की प्रक्रिया के दौरान हुई तो उसने आपत्ति जताई। प्रभारी निरीक्षक वेद प्रकाश शुक्ला ने बताया एसपी के आदेश पर पीड़ित की शिकायत के आधार पर बेलवारपुरवा के रहने वाले ओम प्रकाश व चंद्र प्रकाश, बाजार बाग के मुकर्रम अली ,पूरबगली के रहने वाले अब्दुल हबीब व मोहम्मद अशरफ के खिलाफ धोखाधड़ी सहित विभिन्न सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

बहन पर अभद्र टिप्पणी से चिढ़े भाई ने ही की थी युवक की हत्या

संवाददाता–गोण्डा। जिले के इटियाथोक थाना क्षेत्र के दलपतपुर खटिकन पुरवा निवासी मनीष यादव की हत्या बहन पर अभद्र टिप्पणी से नाराज भाई ने की थी। इसका खुलासा पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर किया है। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त बांका, आरोपी के खून से सने कपड़े व मोबाइल फोन बरामद किया है। गांव निवासी मनीष 21 अप्रैल की रात अपने भाई धर्मेंद्र के साथ गांव के रामजियावन वर्मा के बेटे के तिलक समारोह में गया था। इसके बाद वह घर लौट आया था। रात में तकरीबन साढ़े दस बजे मनीष अपनी मां से लघुशंका करने की बात कहकर घर से निकला था। घरवालों ने समझा कि वह तिलक समारोह ही चला गया होगा। मगर दूसरे दिन घर से सौ मीटर दूर बंसवारी में मनीष का शव पड़ा मिला था। मृतक के भाई धर्मेंद्र यादव ने गांव के ही मुकेश यादव समेत चार आरोपियों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। प्रभारी निरीक्षक विवेक त्रिवेदी ने बताया कि तफ्तीश के दौरान खटिकन पुरवा के पास से आरोपी मुकेश यादव को गिरफ्तार कर लिया गया। उसने जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी की निशानदेही पर प्रयुक्त बांका, आरोपी के खून से सने कपड़े व मोबाइल फोन बरामद किया गया है। पूछताछ में मुकेश ने बताया कि मनीष उसकी बहन पर अभद्र टिप्पणी करता था। गांव के लोग उसे मनीष की हरकतों के बारे में बताते थे। इसके चलते वह काफी दिनों से मनीष की हत्या करने का मौका तलाश रहा था। तिलक समारोह के बाद रात में जब मनीष घर लौटा तो मुकेश ने शौच जाने के लिए बहाने से उसे साथ बुला लिया और वहीं बांके से ताबड़तोड़ वार करके उसकी हत्या कर दी थी।

मुफ्त राशन देकर जनता से खिलवाड़ करने वाले ट्रिलियन की बात करते हैं –आकाश आनंद

संवाददाता–संतकबीरनगर। संत कबीर नगर के वेणीमाधव गोपीनाथ इंटर कालेज परिसर में बसपा नेता आकाश आनंद ने बीजेपी, सपा व कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। साथ ही, बहन मायावती के चार बार के कार्यकाल की उपलब्धियों को भी गिनाया। चिलचिलाती धूप के बावजूद युवा आकाश आनंद को दूर–दूराज से आए हजारों की जनता ने सुना व तालियां भी बजाई। चालीस मिनट के भाषण में आनंद सबसे अधिक हमलावर भाजपा पर रहे। सबसे पहले आकाश आनंद ने महात्मा ज्योतिबा फूले, पेरियार स्वामी, नारायणगुरु को याद किया। वामसेफ व बसपा संस्थापक कांशीराम व मायावती को याद करते हुए कहा कि बाबा साहब आंबेडकर के सिद्धांतों पर चलते हुए बसपा बहन मायावती के नेतृत्व में दलित समाज के उत्थान के लिए तमाम योजनाएं लेकर आई।

जिस सरकार ने आपके भविष्य को बर्बाद करने का काम किया है, वह देशद्रोही है। सरकार ने मुफ्त में राशन देकर लोगो को भिखारी बना दिया। इनसे कौन सवाल करे कि जब तुमने 80 करोड़ जनता को मुफ्त राशन देकर भिखारी बना दिया है तो आखिर कैसे देश को पांच ट्रिलियन आर्थिक ताकत बनाने की बात करते हो। चुनाव आयोग हमसे कहता है कि जाति धर्म के नाम पर वोट नही मांगना है, लेकिन जब अन्य दल जाति धर्म के नाम पर वोट मांगते है तो चुनाव आयोग का मुंह बंद हो जाता है। हम तीन मुद्दों शिक्षा, सुरक्षा व रोजगार के मुद्दे पर बात करेंगे। डिजिटल इंडिया के नाम पर सरकारी स्कूलों में एक भी कंप्यूटर नही है। नौकरी में भर्ती के नाम पर पर्चे लीक हो जाते है। इनकी नीयत रोजगार देने की कभी भी नही रही। आज भी 30 लाख पद बैकलॉग के रिक्त पड़े है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार आधे से अधिक युवा बेरोजगार घूम रहे है, जबकि आधे शेष बेरोजगारों की शिक्षा ही नौकरी लायक नही दी जाती है। आगे कहा कि रोजगार से ध्यान भटकाने के लिए सरकार 80 करोड़ जनता को मुफ्त का राशन दे रही है। आंकड़े गिनाते हुए कहा कि साल में 12 हजार का मुफ्त राशन देते है तो यदि देश के युवा नौकरी करते तो 30 हजार रुपये मिलते। आगे कहा की बसपा युवाओ के शिक्षा, सुरक्षा, रोजगार की बात करती है तो अन्य दलों को चुभने लगती है।

विगत एक साल में 65 हजार से अधिक बहन–बेटियो पर उत्तर प्रदेश में केस दर्ज हुआ। पिछले वर्ष चार सौ किसानों ने सरकार की गलत नीतियों की वजह से जान दे दिया। प्रत्येक व्यक्ति के खाते में 15 लाख देने व कालाधन वापस लाने की बात हवा हवाई साबित हुई। भाजपा ने 2014 में सत्ता हासिल किया। उस समय देश पर 58 लाख 60 हजार करोड़ कर्ज था, इस समय देश का कर्ज बढ़कर 12 लाख करोड़ हो गया है। इस कर्ज को चुकाने में देश को 10 लाख करोड़ बतौर ब्याज चुकाना पड़ रहा है। प्रधानमंत्री नौकरी के नाम पर पकौड़ी तलने की बात कहते है। कहा कि हमे ऐसा गुजरात मॉडल नही चाहिए। सपा पर हमला बोलते हुए कहा कि 2012 में लालटोपी पहनकर सायकिल से आये थे, और आपको धोखा देकर चले गए। बहन मायावती के कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाते हुए आकाश आनन्द ने कहा कि बहनजी ने स्मारको का निर्माण, काशीराम शहरी आवास योजना, 41 हजार कांस्टेबल भर्ती, गंगा एक्सप्रेसवे, नोएडा व यमुना एक्सप्रेसवे, 28419 आम्बेडकर गांव, गन्ने की कीमत बढ़ाया, 20 जिलो में आम्बेडकर छात्रावास, 88 बीटीसी शिक्षको की भर्ती समेत दर्जनों काम कराए है। इस दौरान प्रत्याशी मो आलम, डुमरियागंज से ख्वाजा समशुद्दीन, बस्ती से दयाशंकर मिश्रा, जिलाध्यक्ष धर्मदेव प्रियदर्शी, दिनेश चंद्र, इन्दलराम, उदयभान, राममूरत आदि मौजूद रहे।

वैवाहिक समारोह में रसमलाई और चाउमीन खाने से 85 बीमार

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। थाना बेवाना के अटंगी गांव में आयोजित शादी समारोह में शामिल लोग फूट प्वाइजनिंग के शिकार हो गए हैं। समारोह में रसमलाई और चाऊमीन खाने से सात दर्जन लोगों की तबीयत खराब हो गई है। इससे हड़कंप मच गया है। बीमार हुए लोगों को जिला अस्पताल के साथ कई प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में भर्ती कराया गया है। जहां सघन चिकित्सा हो रही है। अफसरों की मौजूदगी में शादी की रस्म पूरी करा दी गई है। डीएम ने बताया कि सभी खतरे से बाहर हैं और स्वस्थ होने के बाद घर भेजे जाएंगे। जिले के थाना कटका के रत्ना गांव से थाना बेवाना के अटंगी गांव में बीते मंगलवार को बारात आई थी। देर शाम सीताराम प्रजापति के घर आई बारात के द्वारपूजा के बाद बारातियों के साथ घरातियों ने रसमलाई मिठाई और फास्टफूड चाऊमीन खाया। कुछ देर बाद लोगों के पेट में दर्द होने लगा। कुछ के उल्टी और दस्त शुरू होने के साथ बुखार हो गया। इससे बारातियों और घरातियों में खलबली मच गई। सूचना पर पहुंचे सीएमओ डॉ राजकुमार और अपर सीएमओ डॉ रामानंद सिद्धार्थ ने बीमार लोगों को सरकारी एंबुलेंस के जरिए जिला अस्पताल के साथ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तारखुर्द, बेवाना और जलालपुर में भर्ती कराया। जिला अस्पताल में जिलाधिकारी अविनाश सिंह और पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ जिला अस्पताल पहुंचे तथा मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ ओमप्रकाश को बेहतर इलाज का आदेश दिया। रात में 12 बजे से दो बजे के बीच 86 लोगों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया। सभी खतरे से बाहर हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि सभी स्वस्थ हैं और कुछ लोग हल्के पेट दर्द और बुखार से अभी भी पीड़ित हैं। बताया की सभी के पूरी तरह से स्वस्थ होने के बाद घर भेजा जाएगा। जिलाधिकारी के अनुसार रसमलाई और चाऊमीन खाने से लोग बीमार हुए हैं। इसकी जांच का आदेश दिया गया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि बीमार होने वालों में घराती अधिक हैं।

तुम मुझसे प्यार नहीं करोगी तो एसिड फेंककर जला दूंगा.!

संवाददाता–गोरखपुर। चौरीचौरा थानाक्षेत्र के कस्बा निवासी एक स्वर्ण व्यापारी की चौदह वर्षीया बेटी ने तेजाब फेंकने की धमकी देने और रास्ते में छेड़खानी करने का आरोप लगाया है। तहरीर के आधार पर आरोपी आर्यन जायसवाल के खिलाफ छेड़खानी, जानमाल की धमकी देने सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज करके उसकी तलाश शुरू कर दी है। आरोपी आए दिन किशोरी को रास्ते में रोककर जबरन प्यार करने का दबाव बनाता है। आरोप है कि कहता है कि तुम मुझसे प्यार नहीं करोगी तो एसिड फेंककर जला दूंगा। एसपी नार्थ ने बताया कि आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करके उसकी तलाश की जा रही है। किशोरी के दादा ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उनके बड़े बेटे की बेटी 14 वर्ष की है। वह प्रतिदिन घर से विद्यालय और विद्यालय से घर पैदल आती जाती है। रास्ते में आर्यन जायसवाल पुत्र दिनेश जायसवाल उससे आए दिन छेड़खानी करता है। आरोपी कई दिनों से यह हरकत कर रहा था। लेकिन लोकलाज की वजह से किशोरी घर पर नहीं बताती थी। इससे आर्यन का मन बढ़ता चला गया। मंगलवार की सुबह साढ़े छह बजे किशोरी घर से स्कूल जा रही थी। तभी रास्ते में आर्यन ने उसे घेर लिया। वह किशोरी के साथ बदसलूकी शुरू कर दी। किशोरी ने विरोध किया तो उसने एसिड फेंककर जलाने की धमकी दी। आरोप है कि उसे जबरन खींचकर गाड़ी में बैठाने का प्रयास भी किया। उसकी हरकत से किशोरी काफी डर गई। उसने घर लौटकर मामले की जानकारी परिजनों को दी। तहरीर के आधार पर केस दर्ज करके पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव, एसपी नार्थ ने कहा कि तहरीर मिलते ही तत्काल आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करके कार्रवाई शुरू कर दी गई। उसकी तलाश की जा रही है। जल्द ही गिरफ्तार कर उसे जेल भिजवा दिया जाएगा।

खर्च रुपयों को पोर्टल पर अंकित न करने पर दो बैम के विरुद्ध कार्रवाई की संस्तुति

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। स्वास्थ्य विभाग में वित्तीय वर्ष 2023–24 समाप्त होने के बाद भी जनपद के नौगढ़, डुमरियागंज व शोहरतगढ़ ब्लॉक में खर्च रुपयों को पीएफएमएस के माध्यम से फैम्स पोर्टल पर अंकित नहीं किया गया है। लगभग एक करोड़ रुपये से अधिक की पोर्टल पर इंट्री लंबित होने पर बस्ती मंडल की अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण ने वित्तीय अनियमितता की संभावना व्यक्त करते हुए नौगढ़ व शोहरतगढ़ के ब्लॉक लेखा प्रबंधक (बैम) के विरुद्ध कार्रवाई की संस्तुति की है। उन्होंने इस संदर्भ में सीएमओ सिद्धार्थनगर को पत्र लिखते हुए कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

अपर निदेशक ने 22 अप्रैल को लिखे पत्र में बताया है कि वित्तीय वर्ष 2023–24 समाप्त हो गया। मिशन निदेशक एनएचएम के निर्देशानुसार जनपद एवं ब्लॉक स्तर तक के समस्त स्वास्थ्य एवं प्रशासनिक इकाईयों द्वारा प्राथमिकता के आधार पर पीएफएमएस के माध्यम से खर्च किए गए समस्त व्यय को फैम्स पर अंकित किया जाना है। इसकी दैनिक आधार पर मिशन निदेशक स्तर से समीक्षा हो रही है। इस कार्य में सिद्धार्थनगर की स्थिति असंतोषनजक है। जनपद की प्रगति खराब होने के कारण 19 अप्रैल को वित्त नियंत्रक कार्यालय से दूरभाष पर खेद जताते हुए मंडल को फॉलोअप करने का निर्देश दिया गया है। अपर निदेशक ने बताया कि आठ अप्रैल व 18 अप्रैल को मंडल स्तर से आयोजित जूम बैठक में जनपद सिद्धार्थनगर के सभी ब्लॉकों की समीक्षा की गई। इस दौरान लंबित कार्य को 10 अप्रैल तक पूर्ण करने को निर्देशित किया गया था। राज्य मुख्यालय से दूरभाष पर प्राप्त निर्देश के बाद पुनरू 18 अप्रैल को जूम बैठक कर इकाईवार समीक्षा की गई। इसमें पाया गया कि तीन ब्लॉक नौगढ़, डुमरियागंज व शोहरतगढ़ में एक करोड़ रुपये से अधिक की इंट्री फैम्स पोर्टल पर लंबित है। इसके अलावा चार ब्लॉक मिठवल, खुनियांव, बर्डपुर व बसंतपुर में 50 लाख रुपये से अधिक की इंट्री पोर्टल पर लंबित पड़ा है। इस दौरान सभी ब्लॉक लेखा प्रबंधकों को अंतिम रूप से चेतावनी देते हुए लंबित कार्य को 20 अप्रैल तक प्रत्येक दशा में पूर्ण करने का निर्देश दिया गया था। इसके बाद भी नौगढ़ व शोहरतगढ़ में लापरवाही हावी रही। अपर निदेशक ने प्रभारी सीएमओ डॉ. डीके चौधरी को निर्देशित करते हुए कहा है कि नौगढ़ के ब्लॉक लेखा प्रबंधक शैलेश द्विवेदी व शोहरतगढ़ के ब्लॉक लेखा प्रबंधक मल्ल जी शर्मा के विरुद्ध उच्च अधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना करने व राज्य स्तरीय निर्देशानुसार कार्रवाई न करने के लिए अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए अपर निदेशक मंडल कार्यालय को अवगत कराएं। अपर निदेशक द्वारा 21 अप्रैल को किए गए कार्य प्रगति की समीक्षा में नौगढ़ व शोहरतगढ़ की प्रगति खराब मिली जबकि तीन दिनों में नौगढ़ ने मात्र 3.02 लाख रुपये व्यय की इंट्री की है।

मारपीट में घायल बुजुर्ग की मौत

संवाददाता–गोरखपुर। गोला थाना क्षेत्र के ग्राम पांडेयपार उर्फ डड़वा में बीते दिनों हाई स्कूल पास होने के बाद भतीजे ने अपना चाचा को प्रणाम किया तो दो पक्षों में मारपीट हो गई। इसमें दोनों तरफ के लोग घायल हुए। घटना में घायल हुए 70 साल के बुजुर्ग कन्हैया यादव की मौत हो गई। उनका बीआरडी मेडिकल कॉलेज में उपचार चल रहा था। परिजनों की सूचना पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

संजय निषाद पर हमले के आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही पुलिस

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर संजय निषाद पर हमला करने के फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस जुटी है।

एसपी की गठित चार टीमें आरोपियों के संभावित ठिकानों पर जगह–जगह दबिश दी, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। इधर अज्ञात में दर्ज मुकदमे की वजह से मोहम्मदपुर कठार गांव के ग्रामीण सहमे हुए हैं। कोतवाली क्षेत्र के मोहम्मदपुर कठार गांव निवासी हरिराम निषाद की बेटी की रविवार को शादी थी। वहां देर रात मंत्री डॉक्टर संजय निषाद अपने कुछ समर्थकों के साथ पहुंच गए। उसी दौरान कुछ ग्रामीणों ने मगहर से हरपुर बुदहट जाने वाले मार्ग के जनपद की सीमा में निर्माण कार्य न होने का मुद्दा उठाया। ग्रामीणों ने इसके लिए मंत्री के सांसद बेटे प्रवीन निषाद पर टिप्पणी की। उसी बात को लेकर कहासुनी हुई और बाद में मंत्री के समर्थक और ग्रामीण भिड़ गए। मारपीट की घटना में मंत्री घायल हो गए थे। इस मामले में मंत्री के पीएसओ विनोद कुमार यादव ने मोहम्मदपुर कठार गांव निवासी राधेश्याम यादव, जय प्रकाश यादव उर्फ कवि, दुर्विजय यादव, पीएसी के सिपाही अभिषेक यादव, सुरेंद्र यादव, गजेंद्र यादव, सुभाष यादव और कुछ अज्ञात के खिलाफ हत्या के प्रयास का केस दर्ज कराया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए नामजद आरोपी दुर्विजय यादव, सुभाष यादव, गजेंद्र यादव और सुरेंद्र यादव को सोमवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। एसपी ने फरार चल रहे आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चार टीमें गठित की थी। इसमें एसओजी, स्वाट टीम और सर्विलांस टीम भी शामिल है।

पुलिस टीमें रात भर गोरखपुर, बस्ती आदि संभावित ठिकानों पर दबिश दी, लेकिन आरोपी पकड़ में नहीं आए। वैसे पुलिस कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। इधर अज्ञात में दर्ज मुकदमे की वजह से ग्रामीण इस बात को लेकर सहमे हुए है कि पुलिस कब किसे उठा ले जाएगी और आरोपी बना देगी। गांव में शांति व्यवस्था के लिए पुलिस नजर रख रही है। एसपी सत्यजीत गुप्ता ने कहा कि मंत्री पर हुए हमले के मामले में दर्ज मुकदमे के चार नामजद आरोपी जेल भेजे जा चुके हैं।

अज्ञात में दर्ज मुकदमे में पुलिस घटना में शामिल आरोपियों को चिन्हित कर रही है। किसी निर्दोष को पुलिस कत्तई परेशान नहीं करेंगी, लेकिन जो घटना में शामिल होंगे, वे किसी दशा में बच नहीं पाएंगे। शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास में गठित चार टीमें जुटी हुई हैं। जल्द ही आरोपी पकड़ लिए जाएंगे।

सड़क व नाला निर्माण की धीमी रफ्तार पर नाराज हुए नगर आयुक्त

संवाददाता–गोरखपुर। हर दिन की तरह बुधवार की सुबह साइकिल पर सवार हो नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल ने वार्ड संख्या 22 एवं 23 का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बिछिया ताड़ी खाना, अकोलवा पुलिया होते हुए जेपी मैरिज हाउस से अंबे ट्रेडर्स तक बनाए जा रहे सड़क एवं नाला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नाला निर्माण की प्रगति काफी धीमी मिली। नाला पर कई स्थान पर अतिक्रमण भी मिला। मौके पर ही मुख्य अभियंता संजय चौहान, अधिशासी अभियंता व वार्ड के पार्षद को बुला कर सड़क नाला निर्माण में हो रहे बिलंब पर नाराजगी व्यक्त की। नाला पर किए गए अतिक्रमण हटाने के सख्त निर्देश दिए। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अंतर्गत चल रहे विकास कार्यो के निरीक्षण में काम में हो बिलंब पर नाराजगी व्यक्त की। मुख्य अभियंता को निर्देशित किया कि ठेकेदार को ब्लैक लिस्ट कर किसी दूसरे ठेकेदार से काम कराएं। निर्माण कार्यो की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने का निर्देश भी दिया। नगर आयुक्त ने इस दौरान स्थानीय नागरिकों से फीडबैक भी लिया। उन्होंने जलभराव वाले स्थलों के बारे में भी बताया। नगर आयुक्त ने अकोलवा पुलिया की सफाई के लिए सफाई निरीक्षक एवं जोनल अधिकारी को निर्देशित किया। कहा कि बिछिया में जल भराव की दृष्टिगत जलनिकासी के प्रस्ताव तैयार करा कर आचार संहिता समाप्ति पर स्वीकृति कराएं। नगर आयुक्त ने निरीक्षण के दौरान सभी बड़े, मझोले और छोटे नालों की सफाई का जायजा लिया।

पशुओं के लिए वरदान साबित हो रही 1962 नंबर की सेवा

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। डायल 1962 नंबर की पशु चिकित्सा एम्बुलेंस सेवा पशुओं के लिए वरदान साबित हो रही है। सेवा से पशुओं का त्वरित इलाज हो रहा है। खासकर आग में झुलसने वाले पशुओं का तुरंत इलाज होने से उनकी जान बच जा रही है। आदमपुर में आग लगने से घायल हुई भैंस का इलाज 1962 टीम ने किया। इसके अलावा मछली गांव में बीमार गाय का, अछती में घायल पक्षी का, अकबरपुर में बकरी का और तोरिया गांव में एक्सीडेंट से घायल नीलगाय का इलाज 1962 एम्बुलेंस टीम ने किया। सेवा के प्रोग्राम मैनेजर अमित कुमार ने बताया कि जनपद में संचालित छह एम्बुलेंस रोजाना कॉल आने पे समय से पहुंच कर पशुओं का इलाज कर रही है और लोगों को इस मुफ्त सेवा के बारे में जानकारी प्रदान कर रहे हैं। बताया कि इस सेवा का लाभ लेने के लिए कोई भी टोल फ्री नंबर 1962 डायल करके एम्बुलेंस प्राप्त कर सकता है। हर एंबुलेंस में एक डॉक्टर, एक पैरावेट और एक ड्राइवर आवश्यक मेडिकल किट और दवाओं के साथ तैनात है और सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच कर इलाज करते हैं। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी और उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने लोगों से अपील की है कि लोग ज्यादा से ज्यादा इस सेवा का लाभ ले सकते हैं।

खलीलाबाद-बलरामपुर रेल लाइन के भूमि अधिग्रहण में ही बीत गए पांच वर्ष

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिला मुख्यालय खलीलाबाद से बलरामपुर–बहराइच रेल लाइन का शिलान्यास हुए पांच वर्ष बीत चुका है, लेकिन अभी तक भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है। जिम्मेदारों को पांच वर्ष लग गए जनपद में अधिग्रहण प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में, ऐसे में काम शुरू होने और पूरा होने में कितना समय लगेगा इसका किसी को अंदाजा नहीं है। शिलान्यास के समय ही इस रेल लाइन के पूरा होने का समय 2025 निर्धारित किया गया था। लेकिन इसकी प्रगति देख लग रहा है कि अभी पांच साल का और समय लग जाएगा। खलीलाबाद, बलरामपुर–बहराइच रेल लाइन का शिलान्यास 2 मार्च 2019 को हुआ था। तत्कालीन रेल मंत्री पीयूष गोयल के साथ ही रेल राज्य मंत्री मनोज सिन्हा ने शिलान्यास किया था। शिलान्यास हुआ तो लगा अब जल्द ही काम शुरू हो जाएगा। 240 किमी लंबी इस रेल लाइन के लिए 4939.78 करोड़ रुपए आवंटित हुआ था। भूमि अधिग्रहण के लिए जनपद के किसानों को भुगतान के लिए सरकार ने जिला प्रशासन को धन उपलब्ध करा दिया था। धन मिलने के बाद से ही अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू हुई। लेकिन जिम्मेदारों की लापरवाही और सुस्ती के कारण यह अभी तक पूरी नहीं हो सकी है। फाइनल अधिसूचना जारी हुई और किसानों से आपत्ति भी दिसम्बर 2023 में ही ले ली गई थी। लेकिन आपत्ति निस्तारण के बाद आगे की प्रक्रिया शुरू नहीं हो सकी है। जबकि सिद्धार्थनगर जनपद में अधिग्रहण का कार्य तेज है। अन्य जनपदों में भी प्रक्रिया चल रही है। खलीलाबाद–बहराइच के बीच छोटे बड़े कुल 32 रेलवे स्टेशन व हॉल्ट बनेंगे।

इसमें जिले के 54 गांव, सिद्धार्थनगर के 93 गांव, बलरामपुर के 65, श्रावस्ती के 30 और बहराइच में 19 गांवों से होकर रेल लाइन बिछाई जानी है। प्रथम चरण में खलीलाबाद से बांसी तक 54 किलोमीटर दूरी तक कार्य होना है। इसमें जिले के खलीलाबाद तहसील क्षेत्र के 29 गांवों के किसानों की 75,128 हेक्टेयर जमीन और मेंहदावल तहसील क्षेत्र के 25 गांवों की 66,862 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहीत की जानी है। तमाम कोशिशों के बावजूद भूमि अधिग्रहण की कार्रवाई में तेजी नहीं आ रही थी। इसकी वजह यह रही कि पूर्व में भूमि अधिग्रहण की जिम्मेदारी बस्ती से हो रही थी। बताया जा रहा है कि अक्टूबर–नवंबर 2023 में ही अधिग्रहण की तैयारी पूरी कर ली गई थी, लेकिन रेलवे के अलाइनमेंट बदलने से कार्य रुक गया था। अब एडीएम को इसकी जिम्मेदारी मिली है। हालांकि उसके बाद भी से भी तेजी नहीं आई है। खलीलाबाद–बलरामपुर, बहराइच रेल लाइन को स्वीकृत होने में 42 साल लग गए थे। सन 1977 में जनता पार्टी की सरकार में इसका सर्वे हुआ था। लेकिन 22 वर्षो तक जब कुछ नहीं हुआ तो 2002 में रेल लाइन संघर्ष समिति का गठन हुआ और आन्दोलन शुरू हुआ। इसके बाद भी कहीं कोई सुनवाई नहीं हुई। 2014 में केन्द्र में भाजपा सरकार बनने के बाद शरद त्रिपाठी, जगदम्बिका पाल सहित अन्य ने इसके लिए प्रयास तेज किया तो रेल लाइन को 2017 में स्वीकृति मिली और फिर 2019 में शिलान्यास हुआ।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0
अदालत– श्रीमान डी0डी0सी0 बस्ती जिला–बस्ती
चेतनदेव उर्फ चेतनदास
बनाम
मु0 इसरा देवी आदि
1. सरकार उ0प्र0 जरिये कलेक्टर बस्ती 2. ग्रामसभा/ग्राम पंचायत मनौढ़ी जरिए अध्यक्ष ग्राम पंचायत मनौढ़ी तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 29–04–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 29 माह 04 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 09 माह 04 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 172/2021
अदालत–श्रीमान षष्टम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
श्याम नरायन
बनाम
मालती देवी
1. मालती देवी उम्र लगभग 60 साल पत्नी स्व0 रघुनन्दन साकिन मरवटिया तप्पा कड़र परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 24–05–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 24 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिए और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 1380/2022
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
ब्रम्हदेव आदि
बनाम
राममहेश आदि
1. मुण्डा देवी पत्नी बुधिराम ग्राम मचखिरिया तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती 2. मुन्नी पत्नी श्याम बिहारी ग्राम रतास तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 3. मुन्नी देवी पत्नी छबिलाल ग्राम महादेवा तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 4. अखिलेश पुत्र रामअधार 5. लालपरी पत्नी विजय प्रताप 6. विशाल उम्र 12 वर्ष 7. विकास उम्र 10 वर्ष पुत्रगण स्व0 विजय प्रताप वलायत लालपरी माता खुद निवासीगण ग्राम महसो तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 8. फूलचन्द्र पुत्र देवतादीन ग्राम बंधुवा तप्पा गनेशपुर परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 08–05–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 08 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिए और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 42/2023
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
रामअचल आदि
बनाम
बाबूलाल आदि
1. बाबूलाल 2. मुन्नीलाल 3. बनवारीलाल 4. रामकरन पुत्रगण दुलारे निवासीगण भितेहरा तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रुधौली जिला–बस्ती
–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
5. श्रीमती संगीता पत्नी सोचन निवासिनी ग्राम भितेहरा तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला–बस्ती
–प्रतिवादिनी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 08–07–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 08 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिए और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com